उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्ष: 11 || अंक: 28 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 10 अगस्त-2026

अंदर के पृष्ठ पर

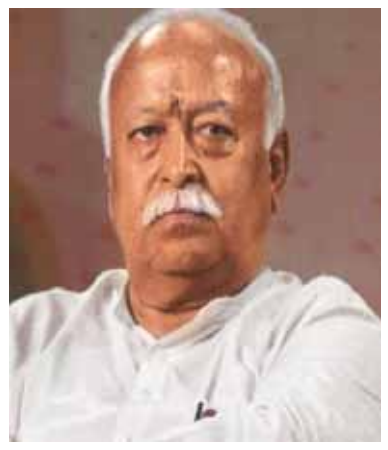

किन्नर के घर लाखों की लूट, असलहे के दम पर 10 लाख कैश, सोना और बाइक लूटी 7

आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं, जेन जी को मोहन भागवत का समर्थन 5

JPSC-JSSC मामला: आयोग के तीन सदस्यों का इस्तीफा राज्यपाल ने किया मंजूर

आज से सीआईडी शुरू करेगी पूछताछ

» बीपीएस न्यूज

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आयोग के तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के पद से दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। झारखंड लोक भवन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर राज्यपाल ने यह फैसला लिया।

सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने लगाई मुहर

राजभवन की ओर से बताया गया कि तीनों सदस्यों ने जेपीएससी में अपने पद से इस्तीफा दिया था। राज्य सरकार की सिफारिश के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इन इस्तीफों को स्वीकार कर लिया।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। छात्र संगठनों की ओर से परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार और कथित अनियमितताओं की जांच समेत कई मांगें उठाई जा रही हैं।

पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष से चार दौर में किए गए थे सवाल

अधिकारियों के अनुसार, सीआईडी की टीम सोमवार को डॉ. अजीता भट्टाचार्य, मंगलवार को डॉ. अनिमा हांसदा और बुधवार को डॉ. जमाल अहमद से पूछताछ करेगी। आवश्यकता पड़ने पर तीनों को दोबारा भी बुलाया जा सकता है। इससे पहले जांच एजेंसी जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते से चार चरणों में पूछताछ कर चुकी है। इस दौरान उनसे परीक्षा प्रक्रिया और आयोग की ओर से लिए गए फैसलों को लेकर कई अहम सवाल किए गए थे।

रिमांड पर चल रहे दो आरोपियों से भी पूछताछ

14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के बीच सीआईडी की कार्रवाई तेज है। पांच दिन की रिमांड के दूसरे दिन शनिवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार और परीक्षा कराने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के अकाउंटेंट रक्षक सिंह से पूछताछ जारी रही। जांच टीम दोनों से परीक्षा संचालन, कथित अनियमितताओं और संबंधित लोगों के बीच संपर्क को लेकर जानकारी जुटा रही है। सूत्रों के मुताबिक

पूछताछ और जांच से मिले सुरागों के आधार पर आने वाले दिनों में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

झारखंड सरकार के पैनल ने कहा कि छात्रों की ज्यादातर मांगों पर सहमति बन चुकी है। इसके बावजूद आंदोलन वापस नहीं लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने छात्रों से बातचीत के जरिए समाधान निकालने और कल मार्च न करने की अपील की है।

अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के इस्तीफे स्वीकार होने के बाद जेपीएससी में इन तीनों सदस्यों के पद खाली हो गए हैं। अब इन पदों पर नियुक्ति को लेकर आगे की प्रक्रिया सरकार और राजभवन के स्तर पर तय की जाएगी।

परीक्षा रद्द करने की मांग मानी, फिर भी नहीं थमा छात्रों का आंदोलन

झारखंड में जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई। बैठक के बाद छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार ने परीक्षा रद्द करने की उनकी मांग मान ली है, लेकिन जब तक पूरे मामले की जांच की घोषणा नहीं होती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

छात्र नेताओं ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में अब सीबीआई जांच भी शामिल है। छात्रों का कहना है कि केवल परीक्षा रद्द करने से मामला खत्म नहीं होगा। वे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं और इसके लिए सीबीआई जांच की घोषणा की मांग कर रहे हैं।

छात्र नेताओं ने साफ किया कि सीबीआई जांच की घोषणा होने तक वे किसी तरह का समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा तक मार्च निकालने का एलान भी किया है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, जब तक उनकी सभी प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

बैठक के बाद उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि छ्क्क्ष्ट परीक्षाओं में वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए सरकार प्रवर्तन निदेशालय से जांच की सिफारिश करेगी।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान मोदी से होगी अहम मुलाकात

» बीपीएस न्यूज

ढाका। नई दिल्ली में अगले महीने आयोजित हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का शामिल होना तय माना जा रहा है। इस सिलसिले में आगामी दस अगस्त को ढाका में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी और प्रधानमंत्री तारिक रहमान के बीच अहम बैठक होने वाली है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग से जुड़े एक विश्वस्त सूत्र ने बताया कि इस बैठक में अंतिम निर्णय के बाद आधिकारिक रूप से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने की घोषणा की जाएगी।

इस दौरान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली संभावित बैठक का समय भी निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने, आर्थिक सहयोग सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भारत के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान बांग्लादेश की ओर से किन-किन मुद्दों को उठाया जाएगा, इस पर आठ अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय में होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक में निर्णय लिया जाएगा।बिम्सटेक के अध्यक्ष के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है।उल्लेखनीय है कि 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बांग्लादेश ब्रिक्स का सदस्य बनने में रुचि रखता है।

ममता के काफिले पर हमला, प्रदर्शनकारियों ने फेंके पत्थर-जूते

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है।

ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की।खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता- ममता

घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। यह क्या हो रहा है। उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पुलिस भाजपा को सुरक्षा दे रही है। ममता बनर्जी ने इस घटना को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी, जिस टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, उसकी शुक्रवार को पुलिस कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसी मामले को लेकर इलाके में पहले से तनाव का माहौल था।

पूर्व सीएम का काफिला जैसे ही हलीशहर पहुंचा, वहां मौजूद गुस्साई भीड़ ने वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी की गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी का आरोप है कि इसी दौरान पत्थर और ईंटें भी फेंकी गईं।

कल्याण बनर्जी ने राज्य सरकार पर साधा निशाना

ममता बनर्जी के काफिले पर हुए हमले को लेकर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस विभाग का 12 बजा दिया है।

‘सिंदूर’ की ताकत दिखी तो कांप उठा पाकिस्तान! राजनाथ बोले- आतंकियों को नेस्तनाबूद किया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम में धर्म पूछकर निर्दोष नागरिकों पर किए गए कायराना आतंकी हमले के बाद भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस अभियान के जरिए पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को निशाना बनाया गया और दुनिया को यह संदेश दिया गया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।रक्षा मंत्री दिल्ली कैंट स्थित सेना के बेस अस्पताल में आयोजित ‘सिंदूर महा रक्तदान यात्रा’ में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि देश की नारी शक्ति के सिंदूर की रक्षा के लिए वह हर संभव कदम उठाने को तैयार है।राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्तदान यात्रा का नाम ‘सिंदूर महा रक्तदान यात्रा’ रखा गया है, जो अपने आप में एक प्रतीक है। उन्होंने रक्तदान को मानवता, सहृदयता और राष्ट्रप्रेम से जुड़ा कार्य बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान को जीवनदान और महादान कहा जाता है। रक्त किसी फैक्ट्री या प्रयोगशाला में तैयार नहीं किया जा सकता। यह केवल स्वस्थ मानव शरीर में बनता है और एक इंसान ही दूसरे इंसान को रक्त दे सकता है। यही वजह है कि रक्तदान सभी दानों में सर्वोपरि है।रक्षा मंत्री ने बताया कि सांगली से आए सैकड़ों वीर खिलाड़ी भी इस अभियान में रक्तदान कर रहे हैं। एथलीट और अन्य लोगों ने करीब 1000 यूनिट रक्त का विशाल भंडार भारतीय सेना को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह रक्त जरूरत पड़ने पर जवानों और उनके परिवारों के लिए सुरक्षा कवच और विश्वसनीय भंडार के रूप में काम करेगा।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी शारीरिक क्षमता उनकी पहचान है, लेकिन रक्तदान के जरिए उन्होंने करुणा की शक्ति का भी परिचय दिया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह रक्तदान भारतीय सेना के हर जवान और उसके परिवार के लिए विश्वास का संदेश है कि जरूरत के समय पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी राष्ट्रसेवा और क्या हो सकती है।

राजनाथ सिंह ने देश के नागरिकों, खासकर युवाओं से रक्तदान को केवल किसी आयोजन तक सीमित न रखने और इसे संस्कृति बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब देश का सपना केवल विकसित अर्थव्यवस्था बनना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा संवेदनशील समाज बनाना भी होना चाहिए, जहां हर व्यक्ति स्वस्थ और सुरक्षित हो।

फिट भारत के लिए युवाओं से जुड़ने की अपील

रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘खेलो इंडिया’ और ‘फिट इंडिया’ के माध्यम से देश को विजन दिया है। युवाओं को इसका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितना अधिक लोग फिट रहेंगे, उतना ही वे समाज के लिए उपयोगी साबित होंगे और रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में योगदान दे सकेंगे।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार: राहुल गांधी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया।उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। माफी मांगने के बजाय क्षमा बांटी जा रही है।राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि विपक्ष जवाबदेही की मांग करना बंद कर देगा। राजधानी की सड़कों पर छात्रों पर लाठी और पैलेट का इस्तेमाल किया गया लेकिन गृह मंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस घटना की जवाबदेही लेनी ही पड़ेगी।÷

सिद्धार्थनगर में सीएम योगी बोले: सपा-कांग्रेस समाज को जाति के नाम पर बांट रहीं, इनके एजेंडे में विकास नहीं है

» बीपीएस न्यूज

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिद्धार्थनगर में 311 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, पिछले 8-9 वर्षों मे जो प्रयास हुआ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में जो प्रयास हुआ है, देश के अंदर 112 जनपद आकांक्षी जनपद हैं और अग्रणी छलांग लगाने वाला कोई जनपद है और नीति आयोग से 25 करोड़ की पुरष्कार प्राप्त करने वाला कोई जनपद है तो वो सिद्धार्थनगर जनपद है। अब यह विकास के पैदान पर तेजी के साथ अग्रणी भूमिका के लिए जाने जाने वाला जनपद है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस ने शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में देश के साथ धोखा किया। कांग्रेस ने देश पर लगभग 55-60 साल तक शासन किया, फिर भी उन्होंने इन क्षेत्रों के लिए कभी कोई विजन नहीं बनाया। आज के युवाओं को कौशल विकास की जरूरत है। उन्हें अच्छी शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, रोज़गार के अवसर, नौकरियां और उद्यमिता के रास्ते चाहिए। हम कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में देश भर में 17 करोड़ लोगों को नौकरियां मिली है। 2014 से पहले, कौशल विकास के लिए कोई व्यवस्थित सिस्टम नहीं था और आज मैं कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में 17,000 कौशल विकास केंद्र हैं। 15,000 से ज्यादा आईटीआई हैं, आईआईटी की संख्या 16 से बढ़कर 23 हो गई है और आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 22 हो गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, 2014 में देश भर में 431 मेडिकल कॉलेज थे और 2025 तक यह संख्या बढ़कर 818 हो गई है। एम्स की बात करें तो जहां कांग्रेस ने 1 और अटल जी ने 6 एम्स स्थापित किए थे और वहीं पीएम मोदी ने इनकी कुल संख्या 23 तक पहुंचा दी है। 2014 से पहले देश में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या 51,348 थी और आज पीएम मोदी के नेतृत्व में 1,28,926 युवा एमबीबीएस कोर्स में दाखिला ले रहे हैं।

सपा पर बोला हमला

समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा, इनके एजेंडे में विकास नहीं है। 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट हम लेकर आए थे। उन्होंने उसमें रोड़े अटकाए। आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता समाज को जाति के नाम पर बांटने का पाप कर रहे हैं।

मप्र के धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की वैन को ट्रॉले ने मारी टक्कर, 6 की मौत

» बीपीएस न्यूज

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना घटी।पुलिस के अनुसार गुजरात के वड़ोदरा से

कुछ श्रद्धालु ईको वैन से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए आए थे। यहां से लौटते समय रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया।बदनावर थाना प्रभारी कुशवाह ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसा इतना भीषण था कि दो शवों को ग्राइंडर मशीन से वैन को काटकर निकाला गया। सभी महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से वड़ोदरा लौट रहे थे।

उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फोरलेन पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को सावन मास की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक

(बी.पी.साहू)

मो-8423454502

व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय ....

अपने भीतर उम्मीद की किरण तलाश करें

प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। सुखद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है।खुशी स्वास्थ्य व लंबी आयु की भविष्यवाणी करती है। खुशी सामाजिक प्रगति व सार्वजनिक नीतियों की सफलता मापने का पैमाना है। लेकिन वे चीजें क्या हैं, जो हमें खुशी प्रदान करती हैं? बिहेवियरल वैज्ञानिक इस बात का लंबे समय से अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन खुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप स्वयं हासिल कर लेती हैं। आपको अपने व्यवहार, आसपास की चीजों और अपने संबंधों में छोटे-छोटे परिवर्तन करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में हर कोई सक्षम है, ताकि आप प्रसन्न जीवन के मार्ग पर निकल पड़ें। खुशी अक्सर भीतर से आती है। इसलिए नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करना और हर दिन आशावाद से शुरू करना सीखें। सकारात्मक की बजाय खराब अनुभवों पर विचार करते रहना मानव प्रवृत्ति है, जो क्रमविकास से आई है और इससे हमें जिंदगीभर खतरनाक व दिल दुखाने वाली स्थितियों से बचने में मदद मिलती है तथा संकट में त्वरित प्रतिक्रिया करने में भी सहायता मिलती है। लेकिन इसका अर्थ यह है कि दिमाग को नकारात्मक ख्यालों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित करने में आपको थोड़ा अधिक परिश्रम करना होगा।

इस प्रकार से– नकारात्मक ख्यालों को रोकें नहीं। जब आप स्वयं से कहती हैं, 'मुझे यह सोचना बंद करना होगा', तो इस बारे में आप और अधिक सोचती हैं। अपनी चिंताओं को स्वीकार करें। जब आप नकारात्मक चक्र में होती हैं तो स्वीकार करें– 'मुझे पैसे की चिंता है', 'मुझे दफ्तर के काम की फिक्र है।' खुद से दोस्त की तरह व्यवहार करें। जब आप नकारात्मक महसूस कर रही हों तो सोचें कि आपकी जैसी स्थिति में आपका कोई दोस्त होता तो आप उसे क्या सलाह देतीं। उस सलाह को अपने ऊपर आजमाएं। अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती दें।शोध बताते हैं कि यह तरीका डिप्रेशन के लक्षणों को कम कर देता है। लक्ष्य आपको नकारात्मक मानसिकता से निकालकर अधिक सकारात्मकता की ओर ले जाना है। आशावाद कुछ जेनेटिक होता है और कुछ सीखा जाता है। अगर आप उदास व्यक्तियों के परिवार में भी जन्मी हैं, तो भी अपने अंदर की उम्मीद की किरण तलाश सकती हैं।आशावाद का अर्थ खराब स्थिति के सत्य को नजरअंदाज करना नहीं है। मसलन, नौकरी छूटने के बाद बहुत से लोग हार मानकर यह सोचते हैं, 'मैं इससे कभी उभर नहीं पाऊंगा।' एक आशावादी व्यक्ति अधिक उम्मीद से चुनौती को स्वीकार करेगा और कहेगा, 'यह कठिन है, लेकिन मेरे लिए जीवन के लक्ष्यों को पुनः सोचने का अवसर भी है और मैं वह काम तलाश सकता हूं, जो मुझे वास्तव में खुशी प्रदान करता है।' सकारात्मक सोचना और अपने आपको सकारात्मक लोगों से घिरे रखना वास्तव में लाभकारी है। निराशावाद की तरह आशावाद की भी लत लग जाती है। इसलिए आशावादी लोगों के साथ रहने का लक्ष्य बना लें।

आप जहां रहती हैं– देश, शहर, पड़ोस और आपका घर– सभी आपकी संपूर्ण खुशी को प्रभावित करते हैं। एक सीढ़ी की कल्पना कीजिए, जिसमें नीचे शून्य से लेकर ऊपर दस तक पायदान हैं। सीढ़ी का सबसे ऊपरी पायदान संभावित सर्वश्रेष्ठ जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और निचला पायदान सबसे खराब जीवन का। इस समय आप व्यक्तिगत तौर पर अपने को किस पायदान पर खड़ा महसूस कर रही हैं?

दुनियाभर में खुशी को मापने व तुलना करने के लिए इसी खुशी की सीढ़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शोध को सार्वजनिक नीति गठित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इससे व्यक्तिगत स्तर पर भी सबक लिया जा सकता है। पूर्ति व संतोष प्रदान करने वाला जॉब तलाशें; प्रसन्न जगह पर रहने का प्रयास करें; सामाजिक सहयोग से अपने को घेर लें; अपनी सेहत का ख्याल रखें; और (स्पिरिट, समय व पैसे में) उदार व दानी रहें, ताकि अपने लिए खुशी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। हद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है। अत्यधिक फालतू चीजों का होना और असंगठित रहना अक्सर बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का लक्षण बनते हैं।

स्वच्छ वातावरण में रहें, फालतू चीजों को बाहर निकालें, लेकिन जो चीजें आपको खुश रखती हैं, उन्हें बचाए रखें। खुशी की संभावनाएं बेडरूम में बढ़ जाती हैं। यह वह जगह है, जहां हम सोते हैं और खामोशी में विचार करते हैं। ये सभी गतिविधियां हमारी खुशी को बेहतर करती हैं। इसलिए बेडरूम जीवन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार खुशी व स्वास्थ्य के सबसे सशक्त इंडेक्स नींद हैं। अगर आपकी लिविंग स्पेस आपकी खुशी को प्रभावित कर रही है, तो अपने बेडरूम को उच्च प्राथमिकता दें। आराम में निवेश करें।

हसीना के तेवरों के बाद बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खी

डा0 विमल सचदेवा

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है।

कुछ दिन पहले तक भारत से रिश्ते नॉर्मल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास हो रहे थे, लेकिन एक बार फिर उस पर पानी फिरता नज़र आ रहा है। बांग्लादेश ने बुधवार को भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर नाराज़गी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से हमारे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों के लिए नुकसानदेह है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का अपमान भी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोधों का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के उस वर्चुअल भाषण के आयोजन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है, जो उन्हें सत्ता से हटाने वाले विद्रोह की दूसरी बरसी के मौके पर हुआ था।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं है और वह इस मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन नहीं करती है।'78 वर्षीय हसीना बुधवार को नई दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ़ साउथ एशिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बेटे साजीब वाज़ेद जॉय और अन्य वक्ताओं के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से (वीडियो लिंक के ज़रिए) दिखाई दी थीं। ढाका से भागने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। लेकिन उस वीडियो को बांग्लादेश में कोई न देखे, इसकी तैयारी ढाका ने पहले से कर रखी थी।दोनों देशों के बीच नए सिरे से जो तल्खी हुई है, उसमें शक है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली आएंगे। भारत ने 12 और 13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है। शेख हसीना के बयान के बाद ढाका इस पर पुनर्विचार करने लगा है। यों, भारत ने यह आमंत्रण बांग्लादेश को ब्रिक्स सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में दिया है।

शेख हसीना ने यह बयान इस वक्त क्यों दिया है? उसकी टाइमिंग पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्या वो नहीं चाहतीं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और पीएम मोदी के रिश्ते बेहतर हों? दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक नौकरशाही से हटकर एक कद्दावर राजनेता के ज़रिए रणनीतिक संवाद स्थापित करना था। 18 महीने के अंतराल के बाद कोलकाता-ढाका के बीच और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं चल रही हैं। जब मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ा और वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, तो दिल्ली ने सीमा-पार फ्रेंडशिप पाइपलाइन के ज़रिए बांग्लादेश को हज़ारों टन आपातकालीन ईंधन भेजा। लेकिन, दिनेश त्रिवेदी सांप-सीढ़ी वाले खेल में फंस गए लगते हैं।

फरवरी, 2026 के आम चुनाव के बाद जिस तरह बीएनपी सत्ता में आई, लोग व्यापक बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, अब वो निराशा में बदलने लगी है। नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, 'आम लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कोई राहत नहीं मिली है।' गुरुवार को 11 पार्टियों के गठबंधन ने ढाका में धरना दिया, जिसमें गैस, बिजली और आवश्यक वस्तुओं के मौजूदा संकट का विरोध किया गया और 10 सूत्रीय मांगों का चार्टर पेश किया गया।

गठबंधन ने सितंबर से नवंबर तक विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की है। मुक्तांगन में रैली के बाद जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान, नेशनल सिटिज़न पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद और गठबंधन के अन्य नेताओं ने सचिवालय की ओर मार्च किया। उन्होंने घरेलू गैस की कीमतें कम करने, बिना रुकावट पाइपलाइन गैस आपूर्ति और हर घर तक बिजली पहुंचाने की मांग की। संभवतः शेख हसीना इसी का इंतज़ार कर रही थीं, जब देश में क्रांति करने वाले चेहरे अपने किए पर अफ़सोस प्रकट करें। अब जब शेख हसीना खुद बांग्लादेश जाना चाहती हैं, क्या नया निज़ाम उन्हें आने से रोकेगा?मगर, ढाका-दिल्ली के बीच बनते-बिगड़ते संबंधों की एकमात्र वजह शेख हसीना नहीं हैं। चीन ने भी अपना खेल जारी रखा है। याद कीजिए, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस 26 से 29 मार्च, 2025 तक चीन के दौरे पर थे, तब आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। चीन लगातार 15 सालों से बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।

बांग्लादेश में लगभग 1,000 चीनी कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने देश में 5,50,000 से ज़्यादा नौकरियां पैदा की हैं। फरवरी 2025 में, बांग्लादेश की आठ राजनीतिक पार्टियों के 22 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल 13 दिन की चीन यात्रा पर गया था। प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान ने 24 से 26 जून, 2026 के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा की। चीन ने तब 30 अरब डॉलर के अनुदान का अहद किया। पद संभालने के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा था। चीन ने 1975 से अब तक बांग्लादेश को कुल 7.5 अरब डॉलर का लोन दिया है।क़रीबी रिश्तों के बावजूद, व्यापार असंतुलन और लोन पर ब्याज का भुगतान बांग्लादेश के लिए बड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। लेकिन, चीन का असल खेल तीस्ता में हुई इंट्री है। 9 जनवरी, 2025 को बांग्लादेश जल विकास बोर्ड (बीडब्ल्यूडीबी) और चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना ने 98 करोड़ डॉलर की तीस्ता व्यापक प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना पर हस्ताक्षर किए। पर्यावरण सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन के अनुसार, 'समझौते के तहत, पावर चाइना एक व्यवहार्यता अध्ययन करेगी। इसके बाद, तीस्ता परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।' मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान तीस्ता जल बंटवारे समझौते पर 2011 में हस्ताक्षर होने थे। लेकिन, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के कारण, तीस्ता समझौता विफल हो गया।

योग्यता रोती, जातिवादिता हँसती, आरक्षण की बेड़ी में, प्रतिभाएं

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

हर जाति का एक चरित्र होता है जिसके कारण उसे पहचान मिलती है, वह हज़ारों साल से उसी पहचान के आधार पर सफ़ल होता रहा है , दुनिया उसे उसके उसी मूल चरित्र और मूल पहचान के कारण जानती है , सम्मान देती है। फिर चाहे महर्षि दधीचि, महर्षि विश्वामित्र, राजा हरिश्चंद्र, आदि शंकराचार्य, रामानुज, मध्वाचार्य, रामानंद, तुलसीदास,मीराबाई, चैतन्य महाप्रभु, सावित्री, सीता , द्रौपदी , अनसूया , गार्गी , मैत्रेयी, अरुंधती, या वर्तमान ब्राह्मण समुदाय हो इनका अपना पुरातन धर्म के प्रति सम्मान ही आज सभी जाति को अपने मूल में सम्हाले है। दरअसल अपने चरित्र के कारण ही हज़ारों साल से सफ़ल और विश्व का सबसे सहिष्णु जाति कहे जाने वाला जाति ब्राह्मण 1987 से राजनीतिक हथकंडो के कुचक्र में फंस कर अपना मूल चरित्र बदल रही है। यह किसी भी जाति के लिए घातक है कि उसका मूल चरित्र और आधार ही बदल दिया जाए जिसके कारण उसकी विश्व भर में सम्मानजनक पहचान बनी हुई थी। वही इश्लाम में लोग अब शक के नजर से देखे जाते है। शाहरुख खान तो स्विकार कर चुके हैं कि उन्हें सिक्योरिटी चेक में नंगा किया गया वहीं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे कलाम को दो दो बार अमेरिका में अपमानित होना पड़ा।

अप्रैल 2009 में अमेरिका की एक एयरलाइन ने डॉ. कलाम की अनुचित सुरक्षा जांच की। वहीं 29 सितंबर 2011 को जब डॉ. कलाम न्यूयॉर्क के एक एयर इंडिया की उड़ान द्वारा भारत लौट रहे थे तब सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें पहले सामान्य सुरक्षा जांच से गुजरने दिया, लेकिन विमान में बैठने के बाद फिर से विमान का दरवाज़ा खुलवाकर उनके जूते और जैकेट दोबारा जांच के लिए ले लिए। यह सब उसी प्रोपगंडा का असर था, सोचिए यह सब शाहरुख खान और ए पी जे डाक्टर अब्दुल कलाम के साथ हुआ तो आम मुसलमानों के साथ क्या हुआ होगा ?

बहुत अपमानजक और तकलीफ देह होता है जब बेगुनाह गरीब ब्राह्मण का हक़ मारकर उसे किसी आरक्षित जाति के अमीर को दिया जा रहा। ऐसे ही जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा , युरोप और पूरी दुनिया में गैर सवर्ण जाति को शक की निगाह से देखा गया, और नाम तथा चेहरा देखते ही सुरक्षा एजेंसियां एलर्ट हो गयीं। लादेन और बगदादी के मारे जाने के दशकों बाद मुसलमान और इस्लाम उस दौर से निकल गये , तो इसका कारण था कि बड़े बड़े मुस्लिम ओलेमा और इस्लामिक संस्थानों ने लादेन और बगदादी के आतंकवाद से ना खुद को अलग कर लिया बल्कि इनके और आतंकवाद के खिलाफ फ़तवा दिया।यही नहीं सऊदी अरब में मक्का की मस्जिद ÷अल-हरम÷ और मदीना की ÷मस्जिद-ए-नबवी÷ के संरक्षक सऊदी अरब की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ÷काउंसिल ऑफ सीनियर रिलिजियस स्कॉलर्स÷ ने 17 सितंबर 2014 को आतंकवाद के खिलाफ एक महत्वपूर्ण फतवा जारी किया और इसकी निंदा की। हिंदुत्व के फ्रंट लाईम में आने के बाद भारत में दारुल उलूम देवबंद से आतंकवाद के खिलाफ औपचारिक फतवा 31 मई 2008 को जारी किया गया। कौन नहीं जानता कि लादेन और बगदादी अमेरिकी पिठ्ठू थे ?ज उनके लिए काम कर रहे थे। ठीक इसी प्रकार विदेश के फण्ड से अभिजीत दिमके के एक काल पर हज़ारों उपद्रवियों का जमावड़ा जितना आश्चर्य जनक रहा उससे कहीं ज़्यादा उसने वर्तमान सरकार के अच्छे दिनों पर विराम लगना है। यूं तो इसकी शुरुआत नीट के पेपर लीक और उससे प्रभावित बीस छात्र छात्राओं की मौत जैसे मुद्दों से हुई थी।यूवाओं में अब तक जो घोर निराशा व्याप्त थी उसे इसमें आशा की किरण दिखाई दी और वे बेखौफ इससे जुड़ते चले गए।उनकी ये मांगे थी जिनमें केन्द्रीय शिक्षा मंत्री मोहन प्रधान का इस्तीफा।मृत छात्रों के परिवार को एक करोड़ की आर्थिक मदद एवं शिक्षा नीति की समुचित व्याख्या और आरक्षण पर पुनर्विचार।

इन मांगों को देश के सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवा छात्र नेताओं और उनके साथियों का भरपूर समर्थन मिला।

मशहूर पर्यावरण विद , जाने-माने फण्ड मैंन वांगचुक ने इन मांगों के लिए भूख हड़ताल शुरू की उनके साथ लेफ्ट वाली आईसा की अध्यक्ष नेहा बोरा और एक दर्जन मनबढ़ छात्राएं भी अनशन में शामिल हो गईं। जो लगभग 24दिन चली।इस बीच खराब मानसिकता के कारण झारखण्ड छात्र प्रदर्शन के मंच से नेहा बोरा को बेइज्जत करके उतारा गया। उस पर एक देशभक्त युवक ने स्याही फेंक उसे यह बता दिया कि जंतर मंतर का धोखा देश में नहींचलेगा। दृश्य ने देश भर के दूरदराज़ युवाओं को झारखण्ड सरकार के विरुद्ध आंदोलन में शामिल होने बाध्य किया वह आश्चर्य जनक था। इधर आक्रोशित युवाओं ने पूरी ताकत से आंदोलन को गति दी है और झारखंण्ड में असली छात्र आंदोलन का आईना दिखा कर दीपके और सौरव दास को एक्सपोज़ कर दिया। माहौल अब कॉकरोच के खिलाफ बन गया। ऐसे क्षणों में अमित शाह की दिल्ली पुलिस ने उपद्रवीयों के साथ जिस तरह सखूती बरती वह सत्य के साथ आग्रह करते छात्रों के लिए परेशान करने वाली नहीं थी। इससे प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी और समूचे विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिला।

कांग्रेस पार्टी ने पीएम आवास पर धरना दिया।उन सबको भी पुलिस ने बेरहमी पूर्वक गिरफ्तार कर दूर क्षेत्रों में छोड़ा। लेकिन इसके बाद युवाओं ने प्रतिरोध को गृहमंत्री और प्रधानमंत्री पर केंद्रित कर दिया।उधर संसद में दोनों नदारद रहे, इधर प्रदर्शनकारियों के ज़ुल्म बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि इस आंदोलन में संस्थापक अभिजीत दिमके अपनी झूठी बीमारी के कारण अनुपस्थित रहे किंतु जो आग युवाओं में प्रज्वलित हुई है वह बुझने वाली नहीं है।उधर प्रतिपक्ष नेता के सवाल सदन में गूंज रहे हैं तो संसद के बाहर अमितशाह और मोदीजी के खिलाफ आंदोलन बदस्तूर जारी है।इस आंदोलन में छात्राओं ने अपनी जबरदस्त उपस्थिति और हौसलों के नए कीर्तिमान स्थापित किए।उनकी निडरता ऐतिहासिक थी। सबसे अच्छी बात आंदोलन की यह रही कि यह आंदोलन जेन जेड से जेन अल्फा तक पहुंच चुका है। जिसके जरिए वे अपने स्कूल कालेज में भी आरक्षण विसंगतियों पर प्रतिरोध करना शुरू किए हैं।कई जगह उनकी मांगे भी आ रही हैं।कुछ जगह आश्वासन मिले हैं। लेकिन इन छुटपुट आंदोलनों ने भी देश में जागरण की एक नई इबारत लिखना शुरू की है। यह शुभ संकेत है। इस तरह सवर्ण यदि प्रतिरोध की रणनीति पर काम करता है तो उम्मीद की जा सकती है कि शिक्षा के प्रारंभिक चरण में आरक्षण जैसी जो बिगड़ैल स्थितियां उफान पर हैं उन पर रोक लगेगी। जैसा कि काक्रोच पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिमके ने पांच अगस्त कोअपनी संभाजीनगर बैठक समाप्त करने के बाद बताया है कि वे शिक्षा, निष्पक्ष चुनाव और गरीबों को न्याय दिलाने की मुहिम हेतु देश भर में कमेटियां बनाएंगे उसमें इन जेन अल्फा को भी शामिल करें ताकि शिक्षा संबंधी विसंगतियों की जानकारी उन्हें मिलती रहे।

गांवों के जेनजेड को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे छोटी छोटी समस्याओं को मुख्यालय स्तर पर ही सुलझा सकें। आंदोलन ज़रुरत पड़ने पर ही हों।उनके पालकों को भी साथ देने की ज़रुरत होगी। बहुसंख्यक शिक्षक,निरीक्षक और अधिकारी इस अभी तक सोए हुए हैं। उन्हें भी जगाना ज़रुरी है यह सब केवल मक्कारी है। राजनीति में आने के लिए रास्ता बनाया जा रहा। आशा थी कि काक्रोच एक सितम्बर से अपने इस अभियान में सक्रियता से काम करेंगे। मास्टर प्लान अच्छा है। सामाजिक चेतना से ही निश्चित तौर पर देश को नई दिशा मिलती पर यहां मानसिकता ही गन्दी है ।जो राजनीति से फिलहाल संभव नहीं। महिलाओं को भी बराबर साथ लाना होगा।एक बार पुन~ थैंक्स सफल उग्रवाद के लिए दीपके साहब । अब उस राजनीति पर पूरा नियंत्रण राजनीतिक शंकराचार्य लोगों के हाथ में नहीं बल्कि सवर्णो और ब्राह्मणों के हाथ में है , अठावले जैसे विकृत नेता अपने राजनैतिक उद्देश्य के लिए आरक्षण के पक्ष के लिए नयी नयी मान्यता नये नये कहानी गढ़ रहे हैंज जहां से उन्हें आर्थिक और राजनीतिक लाभ होज आरक्षण के मूल चरित्र को नष्ट करके समानता का नियम बनाया जाय। दंगाईयों और हुड़दंगियों पर विपक्ष द्वारा फूल बरसाए जा रहें हैं, जिससे सत्ता के संरक्षण में वह और मनबढ़ बनें, और उग्र हों ,छात्र जुलूस में उपद्रव जगह जगह हो, संसद के सामने डीजे बजे।

घूटन

करूंगा शिकायत
रब के दर पर
जिन्होंने मुझे
रुलाया है।
मुस्कुरा कर
औरों के संग
मेरी आंखों में
आंसू लाए है।
थक चुका हूं
हर रिश्ते को निभा कर
अब जाकर
अपने रब के घर
उसको अपना
हर गम सुनाऊंगा।
दुआएं जिनको
रास न आई मेरी
देकर बददुआएं उनको
अपनी बिरहा की कहानी
सब को सुनाऊंगा।

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
(युवा कवि लेखक)

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -ः मो.ः 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

बरसात में शहर हुआ पानी-पानी, नगर निगम के सफाई दावों की खुली पोल

» गोबिन्द नगर में सड़कें बनीं दरिया, घरों-दुकानों में घुसा सीवर का गंदा पानी; जलभराव में बंद हुए वाहन

» दो से तीन फीट ऊंची दीवारें भी नहीं रोक पाईं पानी, लोगों और व्यापारियों को उठाना पड़ा नुकसान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार सुबह हुई झमाझम बारिश ने शहर को पानी-पानी कर दिया। कुछ ही घंटों की बरसात में जगह-जगह हुए भीषण जलभराव ने नगर निगम के सफाई, नाला सफाई और जल निकासी व्यवस्था के दावों की एक बार फिर पोल खोलकर रख दी। कई इलाकों में हालात ऐसे हो गए कि सड़कें पूरी तरह पानी में गायब नजर आईं और शहर की बदहाल ड्रेनेज व्यवस्था लोगों के लिए मुसीबत बन गई।

गोबिन्द नगर में जलभराव ने विकराल रूप ले लिया। ध्वस्त ड्रेनेज सिस्टम और बदहाल वर्षा जल निकासी व्यवस्था के कारण पॉपुलर धर्मकांटा से सीपीआई तथा चावला मार्केट से नंदलाल चौराहे तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क ने विशाल नदी का रूप ले लिया। कई स्थानों पर पानी इतना अधिक था कि सड़क दिखाई देना बंद हो गई। बहते पानी में नदी की तरह भंवर तक नजर आए, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए निकलना मुश्किल हो गया।

पानी में बंद हुईं गाड़ियां, धक्का लगाते दिखे लोग। जलभराव इतना भीषण था कि पानी के बीच से निकलने का प्रयास कर रहे कई दोपहिया वाहन बंद हो गए। लोगों को घुटनों तक भरे पानी में बाइक और स्कूटी को धक्का लगाकर बाहर निकालना पड़ा। सड़क और गड्ढों का अंदाजा नहीं लगने से वाहन चालक जोखिम उठाकर निकलते दिखाई दिए। कई जगह यातायात की रफ्तार थम गई और लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। चावला मार्केट, नंदलाल चौराहा और आसपास के आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में हालात और गंभीर रहे। बरसाती पानी के साथ सीवर का गंदा और बदबूदार पानी घरों तथा दुकानों के अंदर तक घुस गया। लोग घरों से पानी निकालने और सामान बचाने में जुटे रहे, जबकि दुकानदारों को अपना माल सुरक्षित करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। गंदे पानी के कारण लोगों को परेशानी के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा।

जलभराव की समस्या कितनी गंभीर हो चुकी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चावला मार्केट, नंदलाल चौराहा और आसपास के कई लोगों ने अपने घरों के दरवाजों और दुकानों के शटर के सामने दो से तीन फीट ऊंची पक्की दीवारें तक खड़ी कर रखी हैं, ताकि बरसात का पानी अंदर न जा सके। लेकिन बुधवार की बारिश ने इन इंतजामों को भी बेअसर कर दिया। पानी का स्तर बढ़ने पर गंदा पानी घरों और प्रतिष्ठानों में प्रवेश कर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में हर वर्ष मानसून से पहले नाला सफाई और जल निकासी को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन तेज बारिश होते ही स्थिति फिर जस की तस दिखाई देती है। सवाल उठ रहा है कि जब हर बारिश में सड़कें जलमग्न होनी हैं और लोगों के घरों-दुकानों में पानी घुसना है तो जल निकासी व्यवस्था पर किए जा रहे खर्च का असर जमीन पर क्यों नहीं दिखाई दे रहा? शहर में सड़क निर्माण, सुंदरीकरण और दूसरे विकास कार्यों पर करोड़ों-अरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जल निकासी जैसी बुनियादी व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण कुछ घंटों की बारिश में ही विकास के तमाम दावे पानी में डूबते नजर आते हैं।

सड़कें दरिया और बाजार तालाब में तब्दील हो जाते हैं। ऐसे में लोगों का कहना है कि चमक-दमक वाले विकास से पहले शहर के ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करना जरूरी है। चर्चित व्यापारी नेता प्रकाश वीर आर्य ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और नगर निगम को ध्वस्त ड्रेनेज सिस्टम और जलभराव की समस्या पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए। करोड़ों-अरबों रुपये विकास पर खर्च करने का क्या लाभ, जब दो-चार घंटे की बारिश में वही विकास पानी-पानी हो जाए और लोगों के घरों-दुकानों में सीवर का गंदा पानी घुसने लगे। शहरवासियों और व्यापारियों ने मांग की है कि केवल मानसून से पहले नालों की औपचारिक सफाई कर जिम्मेदारी पूरी करने के बजाय जलभराव वाले क्षेत्रों का तकनीकी सर्वे कर ड्रेनेज और वर्षा जल निकासी व्यवस्था का स्थायी समाधान किया जाए। अन्यथा हर तेज बारिश शहर के विकास और नगर निगम की तैयारियों की हकीकत इसी तरह सामने लाती रहेगी।

टीडी डीपीटी टीकाकरण अभियान, 60 हजार बच्चों को मिलेगा सुरक्षा कवच

» डीएम ने छात्रा को टीका लगवाकर किया शुभारंभ, विद्यालयों से शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने की अपील

» टिटनेस, डिप्थीरिया और काली खांसी से बचाएगा टीडी डीपीटी टीका

» पांच, 10 और 16 वर्ष की आयु में बूस्टर डोज लगवाना भी जरूरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में टीडी डीपीटी टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत कक्षा 5 से 12 तक के लगभग 60 हजार विद्यार्थियों का टीकाकरण किया जाएगा। सोमवार को छावनी परिषद स्कूल, फेथफुलगंज में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने छात्रा को टीका लगवाकर अभियान का शुभारंभ किया और प्रत्येक पात्र बच्चे तक टीकाकरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों के साथ मदरसों से भी अभियान में सक्रिय सहयोग करते हुए शत-प्रतिशत पात्र विद्यार्थियों का टीकाकरण सुनिश्चित कराने की अपील की।जिलाधिकारी ने कहा कि टीडी डीपीटी का टीका बच्चों को टिटनेस, डिप्थीरिया और काली खांसी जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जन्म से पांच वर्ष तक के टीकाकरण के प्रति अधिकांश अभिभावक जागरूक रहते हैं, लेकिन पांच वर्ष की आयु पर लगने वाला बूस्टर डोज कई बार छूट जाता है। इसके अलावा 10 वर्ष और 16 वर्ष की आयु में टीडी का बूस्टर डोज लगवाना भी आवश्यक है।उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों के क्रम में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक और निःशुल्क है। यदि कुछ बच्चे भी टीकाकरण से छूट जाते हैं तो इसका प्रभाव केवल उन पर ही नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय और समुदाय पर पड़ सकता है। इसलिए विद्यालयों, शिक्षकों और अभिभावकों की साझा जिम्मेदारी है कि प्रत्येक पात्र बच्चे का समयबद्ध टीकाकरण कराया जाए।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने बताया कि जनपद के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों तथा मदरसों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टीडी डीपीटी टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के टीकाकरण के प्रति जागरूक रहें और स्वास्थ्य विभाग के इस जनहितकारी अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि डिप्थीरिया गले और श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाला गंभीर जीवाणु संक्रमण है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

काली खांसी बच्चों में लंबे समय तक चलने वाली तेज खांसी का कारण बनती है और छोटे बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। वहीं टिटनेस घाव के माध्यम से होने वाला गंभीर संक्रमण है, जिससे मांसपेशियों में अकड़न और ऐंठन की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इन तीनों बीमारियों से प्रभावी बचाव का सबसे सुरक्षित और वैज्ञानिक उपाय समय पर टीडी डीपीटी टीकाकरण है।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस.पी. यादव ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। जनपद के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त, निजी विद्यालयों एवं मदरसों में कक्षा 5 से 12 तक के पात्र विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को समय पर टीकाकरण के लिए विद्यालय भेजें और अभियान में सहयोग करें।टीकाकरण पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी जानकारी अथवा टीकाकरण से संबंधित सहायता के लिए सीएमओ कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

अभिभावक 9335301096 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान विद्यालयों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चे के विद्यालय, संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अथवा जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय से भी टीकाकरण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, एनयूएचएम के नोडल अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, प्रधानाचार्य, जेएसआई के प्रोग्राम ऑफिसर, अर्बन हेल्थ फील्ड कोऑर्डिनेटर, जिला सूचना अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस की लापरवाही पर सख्त कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र के साथ जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील शुक्ला व अशोक शुक्ला, चकरपुर हरी सब्जी आढ़ती व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ पांडे, प्रदेश युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष चकरपुर मंडी से पंकज कुशवाहा, टास्क फोर्स संयोजक पवन गौड़, दक्षिण युवा अध्यक्ष अनुज त्रिपाठी, प्रमोद अग्रहरि आदि पदाधिकारी कानपुर की चकरपुर सब्जी मंडी के लापता व्यापारी योगेश कुमार देवेश कुमार एंड कंपनी के देवेश शुक्ला को लावारिस के रूप में अंतिम संस्कार करने के मामले में उनके राखी मंडी जूही स्थित निवास पर जाकर उनके भाई मनोज शुक्ला, योगेश शुक्ला, विकास शुक्ला से मिले और पूरी जानकारी ली।व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने परिवार को सांत्वना देते हुए और साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने बताया कि घटना का सही खुलासा कर आरोपितों को सजा दिलाने व पनकी थाना पुलिस की लापरवाही पर सख्त कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के दोनों आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रलअतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना काकादेव क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म का प्रकरण प्रकाश में आया, जिसमें पीड़िता द्वारा दिए गए प्रार्थना-पत्र के आधार पर तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया।प्रकरण में नियमानुसार पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा न्यायालय के समक्ष उसके बयान दर्ज कराए गए।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए घटना में नामजद दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के उपरांत उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार मुख्य अभियुक्त के संबंध में उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण में उसके विरुद्ध पूर्व से किसी प्रकार का आपराधिक इतिहास/अपराधिक रिकॉर्ड प्रकाश में नहीं आया है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा आरटीसी स्कीम के अंतर्गत विभिन्न चौराहों का निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना आरटीसी स्कीम के अंतर्गत घंटाघर चौराहा, कोपरगंज तिराहा, डिप्टी पड़ाव एवं जरीब चौकी चौराहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन, सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण तथा चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। प्रमुख चौराहा/तिराहा से ई-रिक्शा, ई-ऑटो, टेम्पो आदि को कम से कम 100 मीटर की दूरी पर सवारी बैठाने व उतारने हेतु निर्देशित किया गया तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए एवं चौराहा/तिराहा पर चिन्हित चोक पॉइंट्स की पहचान कर उनके कारकों को दूर किया जाए जिससे यात्रियों के मैक्सिमम ट्रैवल टाइम को घटाया जा सके।

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा बताया गया कि इस स्कीम का उद्देश्य शहरवासियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान रूट मार्शल व सेक्टर प्रभारी मौजूद रहें।

साइबर अपराधों से मिलेगा छुटकारा? अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ कानपुर का साइबर थाना

» बीपीएस न्यूज

प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों की टीम साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल वित्तीय अपराध सहित सभी साइबर मामलों में करेगी त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से पूर्व में रेलबाजार स्थित ट्रैफिक पुलिस लाइन परिसर में संचालित साइबर थाने को सिविल लाइंस स्थित 112 कार्यालय परिसर (पुलिस ग्राउंड के सामने) आधुनिक संसाधनों, उन्नत सॉफ्टवेयर एवं विशेष टेक्निकल सेल के साथ स्थानांतरित किया है, जिससे साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा तथा अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध संकल्प शर्मा द्वारा नवनिर्मित साइबर थाने का निरीक्षण किया गया तथा वहां उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों, आधारभूत सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि बढ़ते साइबर अपराधों की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए साइबर थाने को नवीनतम तकनीक एवं बेहतर आधारभूत सुविधाओं से विकसित किया गया है । यहां प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों की टीम संयुक्त रूप से कार्य करेगी, जिससे साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल वित्तीय अपराध एवं अन्य साइबर अपराधों की जांच अधिक वैज्ञानिक, प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से की जा सकेगी । नए साइबर थाने में सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर), प्रभारी निरीक्षक साइबर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहेंगे, जिससे साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई की गति और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

प्रेमिका ने किया ब्लॉक तो युवक ने दी जान, सात दिन इलाज के बाद मौत

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में प्रेमिका के ब्लॉक करने से आहत बीबीए के छात्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने हैलट रेफर कर दिया। करीब सात दिन तक चले इलाज के बाद रविवार सुबह युवक की मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गोपाल नगर निवासी पवन शर्मा किराना का काम करते हैं। परिवार में पत्नी आरती, बेटा अध्ययन और बेटी प्रार्थना है। अध्ययन बीबीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। उसके साथ ही उसके मौसा का बेटा कुमार संभव भी पढ़ाई करता है। पिता के मुताबिक, कॉलेज में पढ़ने वाली एक छात्रा से अध्ययन के प्रेम संबंध थे।

परिजनों के मुताबिक, बीते शनिवार किसी बात को लेकर अध्ययन और युवती के बीच अनबन हो गई थी। इसके बाद युवती ने अध्ययन को मोबाइल पर ब्लॉक कर दिया। अध्ययन ने यह बात अपने साथ पढ़ने वाले कुमार संभव को बताई। उसने युवती से फोन और मैसेज के जरिए संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।परिजनों का कहना है कि युवती की ओर से जवाब नहीं मिलने से अध्ययन काफी परेशान था। सोमवार देर रात उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने और उल्टियां होने पर उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजन उसे पास के निजी अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे हैलट रेफर कर दिया।परिजनों के मुताबिक, हैलट में करीब सात दिन तक अध्ययन का इलाज चला। रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खाद्य विभाग ने मारा छापा, चावल में रंग मिलाकर बन रही थी हल्दी

पनकी की मसाला निर्माण इकाई पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बड़ी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने शहर में मिलावटी मसालों के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पनकी स्थित एक मसाला निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान खुलासा हुआ कि चावल में हल्दी जैसे रंग मिलाकर हल्दी पाउडर तैयार किया जा रहा था। जांच में मौके पर साबुत हल्दी नहीं मिली, जबकि परिसर में हल्दी का निर्माण चल रहा था। टीम ने छह नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेज दिए हैं और 5,86,200 रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त कर लिया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित फर्म के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जनभागीदारी से सफल होगा हर घर तिरंगा अभियान, व्यापारिक संगठनों से डीएम का आह्वान

बाजारों से लेकर प्रमुख चौराहों तक तिरंगा थीम पर सजेगा शहर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने और इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में व्यापारिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। जिलाधिकारी ने व्यापारिक संगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं, निजी संस्थानों तथा अन्य सामाजिक संगठनों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही हर घर तिरंगा अभियान सफल होगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। अभियान के दौरान जनपद के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाए, राष्ट्रनायकों की प्रतिमाओं का अलंकरण कराया जाए तथा प्रमुख बाजारों, चौराहों और पार्कों को तिरंगा थीम पर सजाया जाए।

बैठक में बताया गया कि अभियान के दौरान चिन्हित स्थलों पर आईटीबीपी का बैंड प्रस्तुति देगा। फूलबाग एवं बिठूर में तिरंगा कॉन्सर्ट तथा मोतीझील में तिरंगा मेले का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा थीम आधारित प्रकाश सज्जा, रंगोली और तिरंगा प्रेरित कलाकृतियों के माध्यम से शहर को राष्ट्रभक्ति के रंग में सजाया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तिरंगा रैलियों में विद्यार्थियों, युवाओं, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों तथा आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक रैली की शुरुआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से होगी। उन्होंने कहा कि प्रमुख सरकारी भवनों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों एवं प्रमुख चौराहों पर तिरंगा थीम आधारित प्रकाश सज्जा एवं अलंकरण कराया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा थीम आधारित रंगोली बनाई जाए तथा विद्यालयों में तिरंगा प्रेरित कलाकृतियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस शासन के निर्देशानुसार आयोजित कर नई पीढ़ी को देश विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े इतिहास से अवगत कराया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, बीएसए हरिओम सिंह, एडीआईओएस प्रशांत द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।हर घर तिरंगा अभियान- ध्वज संहिता का रखें ध्यान

प्रत्येक नागरिक अपने घर, विद्यालय एवं सरकारी कार्यालय में सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराए तथा ध्वज संहिता का पालन करे।

ध्वज फहराते समय केसरिया रंग की पट्टी हमेशा ऊपर रहे।

सरकारी परिसरों में ध्वजारोहण सूर्योदय के बाद तथा सूर्यास्त पर सम्मानपूर्वक ध्वज उतारा जाए।

9 से 17 अगस्त तक निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाए गए ध्वज अभियान समाप्त होने के बाद सम्मानपूर्वक उतारकर सुरक्षित रखें। राष्ट्रीय ध्वज को कभी फेंकें नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक मोड़कर सुरक्षित रखें।

विशेष परिस्थितियों में राष्ट्रीय ध्वज रात्रि में भी फहराया जा सकता है।

इंद्रा गांधी प्रतिमा स्थल पर अवैध कब्जे को लेकर डीएम को ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उ प्र कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी कानपुर नगर जीतेन्द्र प्रताप सिंह से कचहरी स्तिथि उनके कार्यलय मे मिल कर एक ज्ञापन देकर मालरोड़ नरोना चौराहे पर 1990मे स्थापित की गई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गाँधी की मूर्ति के ठीक सामने किये जा रहे अवैध निर्माण की ओर आकर्षित कराया।

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया प्रतिमा स्थल के मुख्य द्वार पर सोची समझी साजिश के तहत अवैध निर्माण करा कर जहाँ एक ओर मुख्य द्वार को खत्म कर श्रीमती इंदिरा गाँधी की प्रतिमा के स्वरुप को ढका जा रहा है वही दूसरी ओर महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी का नहीं बल्कि देश की आजादी मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान किया जा रहा है है। ज्ञापन मे मांग की गई की प्रतिमा स्थल के मुख्य द्वार पर हो रहे अवैध निर्माण को अबिलम्ब रुकवा कर वहाँ से हटवाया जाय अन्यथा कांग्रेस का कार्यकर्त्ता अपने नेता के सम्मान मे उस अवैध निर्माण को गिराने का काम करेगा।

जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने ज्ञापन ले कर आश्वास्त करते हुए अपर जिलाधिकारी को जाँच कर कार्यवाही करने को कहा। कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ को जानकारी हुई की प्रतिमा स्थल पर अवैध निर्माण तेजी से जारी है सारे कांग्रेसजन कचहरी से मालरोड़ नरोना चौराहा पहुंच कर हो रहे अवैध निर्माण को रुकवा दिया। ज्ञापन देकर प्रतिमा स्थल के मुख्य द्वार पर किये जा रहे अवैध निर्माण को रुकवाने व मुख्य द्वार से हटवाने की मांग की जायेगी अगर मैट्रो के अधिकारियो ने सहानभूति पूर्वक निर्णय लेकर अवैध निर्माण न हटाया तो कांग्रेसजन आंदोलन के माध्यम दवाब बना कर हटवाने का काम करेगी।

प्रतिनिधि मंडल मे प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव हर प्रकाश अग्निहोत्री, पवन गुप्ता,पूर्व प्रदेश सचिव कृपेश त्रिपाठी, पूर्व पी सी सी सदस्य सुनील राठौर, पूर्व पार्षद अनिल बाजपेई, महेंद्र त्रिपाठीपुत्तू,पी सी सी सदस्य अनूप श्रीवास्तव, पी सी सी सदस्य ग्रीन बाबू सोनकर, लायर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, सुधीर साहू, वार्ड अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला , ,चुन्नू निगम, ज़फर शाकिर,काशी जायसवालआदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

श्याम नगर लूट घटना का मुख्य साजिशकर्ता निकला वादी का रिश्तेदार पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

» 2 फरार बदमाशों की तलाश जारी, 25-25 हजार का इनाम हुआ घोषित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना चकेरी क्षेत्र के श्याम नगर में बीते 3 अगस्त को हुई दिनदहाड़े सनसनीखेज लूट की घटना का कानपुर पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है पुलिस ने इस कार्रवाई में शामिल टीम की उत्कृष्ट सफलता पर पुलिस आयुक्त द्वारा 25,000 के पुरस्कार की घोषणा की है पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि घटना का मुख्य साजिशकर्ता वादी के भाई का साला, प्रशांत शुक्ला उर्फ मोनू था।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशांत शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपने चार अन्य साथियों रफीक, शफीक, कमल पुरील और विजय श्रीवास्तव के नाम उजागर किए घटना के अनावरण के उपरांत पुलिस टीम को एक संदिग्ध वाहन की सूचना मिली जब पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, तो उस पर सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी पुलिस द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश शफीक (निवासी उन्नाव) और कमल पुरील (निवासी शिवकटरा, चकेरी) गोली लगने से घायल हो गए।दोनों घायल बदमाशों को तत्काल इलाज के लिए कांशीराम अस्पताल भेजा गया, जहाँ उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लूटा गया शत-प्रतिशत माल, घटना में इस्तेमाल किया गया वाहन, दो अवैध तमंचे, तीन खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं मामले में अब तक तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी है मामले के दो अन्य आरोपी रफीक और विजय श्रीवास्तव फिलहाल फरार हैं पुलिस प्रशासन ने दोनों की गिरफ्तारी पर 25,000-25,000 का इनाम घोषित किया है पुलिस की विशेष टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।सत्यजीत गुप्ता, पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) ने कहा श्याम नगर की लूट की घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर मामला सुलझा लिया गया है मुख्य साजिशकर्ता वादी का रिश्तेदार ही निकला मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

गेहूं के आटे में चावल के आटे की मिलावट की आशंका पर छापा, पांच नमूने जांच को भेजे

» दूसरे ब्रांड का आटा अपने नाम से पैक कर बेच रहा था फ्लोर मिल, 1.50 लाख का स्टॉक सीज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के आदेश के दृष्टिगत सहायक आयुक्त (खाद्य)।। संजय प्रताप सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग ने बुधवार को रामादेवी स्थित एक फ्लोर मिल पर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान दूसरे ब्रांड के आटे को अपने ब्रांड के नाम से दोबारा पैक कर बेचने का मामला सामने आया। टीम ने करीब 1.50 लाख रुपये मूल्य का आटा और अपमिश्रक सीज किया तथा पांच नमूने जांच के लिए संग्रहित किए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा गांधीग्राम, रामादेवी स्थित मेसर्स दर्शन ट्रेडिंग कंपनी (फ्लोर मिल) का निरीक्षण किया गया। जांच में परिसर की स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। खाद्य पदार्थों का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। कर्मचारियों के मेडिकल अभिलेख, खाद्य लाइसेंस तथा खरीद-बिक्री से संबंधित अभिलेख भी मौके पर उपलब्ध नहीं कराए जा सके।

निरीक्षण के दौरान सबसे गंभीर अनियमितता यह मिली कि अन्य जनपदों में निर्मित विभिन्न ब्रांड के आटे के पैकेट खोलकर उसी आटे को दर्शन ट्रेडिंग कंपनी के नाम से दोबारा पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। कई पैकेटों पर बैच नंबर, पैकेजिंग तिथि और एक्सपायरी तिथि भी अंकित नहीं थी।

परिसर में करीब 3000 किलोग्राम श्री भोग ब्रांड आटा, आटा चक्की फ्रेश ब्रांड के पैक, 100 किलोग्राम दर्शन ब्रांड आटा तथा 200 किलोग्राम चावल का आटा मिला। विभाग के अनुसार चावल के आटे का उपयोग गेहूं के आटे में अपमिश्रक के रूप में किए जाने की आशंका है।

एफएसडीए टीम ने मौके से गेहूं के आटे के चार तथा अपमिश्रक का एक नमूना संग्रहित किया। बैच नंबर, पैकेजिंग तिथि और एक्सपायरी का विवरण अंकित न होने पर संबंधित स्टॉक को सीज कर दिया गया। सीज किए गए खाद्य पदार्थों का अनुमानित मूल्य करीब 1.50 लाख रुपये बताया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह ने बताया कि आटे में मिलावट की आशंका को देखते हुए विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। जांच के लिए भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मिलावटखोरी और भ्रामक पैकेजिंग करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए नीलांशु चतुर्वेदी ने बनाई रणनीति

» कोंग्रेस की तिलक हाल में हुई कानपुर मंडल स्तरीय बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रयागराज में 8 अगस्त को आयोजित होने वाले ात्रों की गूंज÷ कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से कानपुर के तिलक हाल में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक एवं कानपुर-बुंदेलखंड जोन के प्रभारी नीलांशु चतुर्वेदी ने संबोधित किया।नीलांशु चतुर्वेदी ने कहा कि प्रयागराज का ÷छात्रों की गूंज÷ कार्यक्रम देश के युवाओं और छात्रों की आवाज़ को बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। उन्होंने सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से अधिकतम संख्या में युवाओं, छात्रों एवं कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि प्रयागराज में होने वाला यह कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सफल हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार युवाओं, छात्रों, बेरोज़गारों और आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं। इसी कारण देशभर के युवाओं में इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचेंगे।राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति निरस्त किए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए नीलांशु चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और युवाओं के बढ़ते समर्थन से घबराई हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी भय के कारण प्रशासनिक दबाव बनाकर कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी की सभा हर हाल में होगी और युवाओं की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता।उपस्थित नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और युवाओं के साथ प्रयागराज पहुंचने का संकल्प लिया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय भी लिया। बैठक में कानपुर महानगर, कानपुर देहात एवं कानपुर ग्रामीण के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता,देहात अध्यक्ष अम्बरीश सिंह गौड़,ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला समेत सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर पर गिरा बड़ा पेड़, टला हादसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कौशलपुरी स्थित हनुमान पार्क में बड़ा पेड़ ट्रांसफार्मर पर गिरा। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नही हुई। हादसे के समय पेड़ के नीचे खड़ी मोटरसाइकिल तथा बच्चों के झूले भी हुये क्षतिग्रस्त।बड़ी बात यह कि यहाँ स्थित बच्चों के स्कूल सनातन एजूकेशन सेंटर के साथ अन्य स्कूल भी हैं पर स्कूल प्रवेश के समय के बाद ही पेड़ गिरा कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। पेड़ को हटाने का कार्य किया गया साथ ही केस्को की टीम बिजली को सुचारू रूप से चालू करने में लग गयी।

शहर की क्षतिग्रस्त सड़कें बारिश के बाद होंगी दुरुस्त

कानपुर। बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई शहर की सड़कों की मरम्मत के लिए कवायद शुरू कर दी गई है। मंडलायुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है जो खराब सड़कों का सर्वेक्षण कर उनके सुधार की कार्ययोजना तैयार करेगी। समिति के अध्यक्ष नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय हैं। समिति में केडीए उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश जल निगम, मेट्रो परियोजना समेत अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हैं।

नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार को नगर आयुक्त की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई। इसमें क्षतिग्रस्त सड़कों की मौजूदा स्थिति, विभिन्न विभागों की ओर से कराई गई रोड कटिंग और उनकी मरम्मत की प्रगति पर चर्चा की गई।

मसवानपुर में शटरिंग खोलने के दौरान करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर के थाना रावतपुर क्षेत्र अंतर्गत मसवानपुर स्थित ब्रह्मदेव चौराहे के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में शटरिंग खोलने के दौरान एक युवक की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक लोहे की रॉड (सब्बल) से शटरिंग खोल रहा था। इसी दौरान बिल्डिंग के बगल से गुजर रही हाई टेंशन बिजली लाइन के संपर्क में लोहे की रॉड आ गई। करंट लगने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया और उसके शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह जल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बिजली का शटडाउन लेकर युवक को वहां से बाहर निकाला गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में हाई टेंशन लाइन के कारण पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक एहतियाती उपायों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जय नारायण विद्या मंदिर में एनसीसी कैडेट्स ने चलाया सघन वृक्षारोपण अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 75 ए, विकास नगर स्थित जय नारायण विद्या मंदिर विद्यालय में एनसीसी विभाग के तत्वावधान में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से कई पौधे रोपे गए।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित शिक्षकों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। पौधे लगाना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव है।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया। इस मौके पर 54 यूपी बटालियन से पधारे हवलदार नरेश सिंह की विशेष उपस्थिति रही।आयोजन में विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल डॉ. नमिता गुप्ता, एनसीसी प्रभारी भरत दीक्षित एवं विद्यालय के कई अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बढ़-चढ़कर योगदान दिया और पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संदेश दिया।

अतीक का बेटा अबान अहमद सुपुर्द-ए-खाक भाई अली और उमर ने नम आंखों से दी विदाई

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद के शव को शनिवार शाम सात बजे मगरिब की नमाज के बाद कसारी मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। झांसी और लखनऊ जेल से आए भाई अली और उमर ने नम आंखों से विदाई दी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त रहा। माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद के शव को शनिवार देर शाम कसारी मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। शाम सात बजे मगरिब की नमाज के बाद अबान के शव को कसारी मसारी के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। झांसी और लखनऊ जेल से आए भाई अली और उमर ने नम आंखों से छोटे भाई को विदाई दी। मिट्टी में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त रहा।

अतीक अहमद के बेटे की सड़क हादसे में अबान समेत दो की मौत

भाई अली अहमद से मिलने जा रहा था अबान, डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार क्रेटा, तीन घायल

» बीपीएस न्यूज

झांसी। यह भीषण हादसा गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। आबान अहमद अपने साथियों के साथ एक तेज रफ्तार क्रेटा कार से प्रयागराज से झांसी की ओर आ रहा था। पूंछ थाना क्षेत्र के खिल्ली गांव के पास झांसी-कानपुर हाईवे पर अचानक एक जानवर सड़क पर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आबान अहमद और उसके साथी सोनू खान के सिर में गंभीर चोटें आईं और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि प्रारंभिक सूचना और शिनाख्त में मृतक की पहचान अतीक अहमद के पुत्र आबान अहमद के रूप में हुई है।

करीब 10 महीने से झांसी जेल में बंद है अली अहमद

उमेश पाल हत्याकांड और रंगदारी जैसे संगीन मामलों में आरोपी अली अहमद पिछले लगभग 10 महीने से झांसी जेल में ही बंद है। इससे पहले वह प्रयागराज की नैनी जेल में था। नैनी जेल में उसकी बैरक से सघन तलाशी के दौरान 1100 रुपये नकद बरामद हुए थे। इस घटना के बाद सुरक्षा कारणों से 1 अक्टूबर 2025 को उसे हाई सिक्योरिटी के तहत झांसी जेल शिफ्ट कर दिया गया था।

अली ने जताया था जान को खतरा

शिफ्टिंग के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। उस समय अली अहमद ने अपनी जान को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री से सुरक्षा की गुहार भी लगाई थी। आबान अपने इसी भाई से मुलाकात करने प्रयागराज से झांसी का सफर तय कर रहा था, जब बीच रास्ते में ही यह खौफनाक हादसा हो गया।

झांसी से जुड़ा है परिवार का पुराना खौफनाक इतिहास

अतीक अहमद के परिवार के लिए झांसी शहर का नाम पहले भी एक बड़े सदमे से जुड़ा रहा है। इसी शहर में 13 अप्रैल 2023 को अतीक के एक और बेटे असद अहमद का एसटीएफ के साथ एनकाउंटर हुआ था।

हादसे में ये लोग हुए घायल

» अहजम-निवासी बादशाही मंडी (प्रयागराज)

» मोहम्मद जैद- निवासी कोतवाली (प्रयागराज)

» उमर अहमद-निवासी पूरा मुफ्ती (प्रयागराज)

छोटे भाई आबान की मौत के बाद जेल से बाहर आया अहजम

माफिया अतीक अहमद के परिवार पर एक बार फिर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गुरुवार सुबह झांसी-कानपुर हाईवे पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में अतीक अहमद के छोटे बेटे आबान अहमद और उसके एक साथी की दर्दनाक मौत हो गई। आबान झांसी जेल में बंद अपने बड़े भाई अहजम अहमद से मिलने जा रहा था। इस दुखद घटना के बाद पहली बार बड़े भाई अली अहमद का बयान सामने आया है। अली ने अपने छोटे भाई की मौत पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन से भावुक अपील की है। अली अहमद ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि मेरे भाइयों को मिट्टी (जनाजे/अंतिम संस्कार) में शामिल होने दिया जाए। प्रशासन से मेरी यही अपील है।

कानपुर-हमीरपुर हाईवे पर भीषण टक्कर, तीन की मौत, 21 घायल

बस और टैंकर के चालक समेत यात्री की गई जान कई की हालत गंभीर होने पर रेफर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।कानपुर-हमीरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने तीन लोगों की जान ले ली, जबकि 21 यात्री घायल हो गए। थाना सुमेरपुर क्षेत्र के कुंडौरा गांव के पास महोबा डिपो की रोडवेज बस और सामने से आ रहे टैंकर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और बस तथा टैंकर के चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गए।

जानकारी के अनुसार कानपुर से महोबा जा रही रोडवेज बस शाम करीब सात बजे कुंडौरा गांव के पास एक कार को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे टैंकर से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई।

हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने का प्रयास करते दिखाई दिए।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देने के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद बस चालक निसार और टैंकर चालक को स्टेयरिंग से बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। टैंकर चालक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी।हादसे में बस में सवार महोबा निवासी 60 वर्षीय नंदकिशोर नायक की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं बस के परिचालक सहित कुल 21 यात्री घायल हुए हैं। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से दस से अधिक गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया।

टक्कर के बाद पीछे से आ रही एक कार भी बस से जा टकराई। हालांकि कार के एयरबैग खुल जाने से उसमें सवार लोग बाल-बाल बच गए।

हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जिला अस्पताल में एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने पर अव्यवस्थाओं को लेकर लोगों ने हंगामा भी किया।

अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि 21 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है और गंभीर रूप से घायल यात्रियों का बेहतर उपचार कराया जा रहा है।

पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु कराया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं, जेन जी को मोहन भागवत का समर्थन, कहा-हर बात का तार्किक जवाब चाहते हैं युवा

भागवत बोले-शिक्षा को व्यवसाय नहीं, समाज सेवा का माध्यम बनाना होगा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। मुंबई में युवाओं को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों को जायज और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि आज का युवा लॉजिकल जवाब चाहता है। साथ ही उन्होंने शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने और रोजगार में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर बल दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में युवाओं को संबोधित किया। जेन-जी और जेन-अल्फा के छात्रों के बीच उन्होंने लोकतंत्र, आंदोलन, शिक्षा, रोजगार और युवा पीढ़ी की सोच जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे।मोहन भागवत ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले युवाओं को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि ये युवा इसी देश के नागरिक हैं और देश का भविष्य हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अपनी बात रखने, संवाद शुरू करने और सहमति बनाने का एक वैध माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से ही संभव है।उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में ही तलाशा जाना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सांविधानिक मार्ग पर चलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सकती है।आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अलग सोच रखती है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा के युवा किसी भी बात को बिना समझे स्वीकार नहीं करते। वे हर विषय पर तार्किक और तथ्य आधारित जवाब चाहते हैं।

उन्होंने अपने समय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों की बातें बिना सवाल किए मान ली जाती थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उनके अनुसार यह बदलाव नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक है क्योंकि आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार और सेवा भाव रखने वाले हैं।भागवत ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में शास्त्रार्थ की संस्कृति रही है, जहां किसी भी विषय पर दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला जाता है। समाज में भी इसी प्रकार के संवाद की आवश्यकता है।शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा को केवल कमाई का साधन या व्यावसायिक धंधा नहीं बनाया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि हर बच्चे तक अच्छी शिक्षा पहुंच सके।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस: आरोपी आशीष मिश्रा को फिलहाल राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल बढ़ाने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और अधिक ढील देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में और राहत देने की मांग की थी।

आशीष मिश्रा की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मौजूदा जमानत शर्तों के कारण वह अपने परिवार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटियों के जन्मदिन जैसे पारिवारिक आयोजनों में भी शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। इसी आधार पर जमानत की शर्तों में और ढील देने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल इस प्रार्थना पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। आवेदन खारिज किया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने आशीष मिश्रा की याचिका को अस्वीकार कर दिया।

यह घटना 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के टिकुनिया गांव में हुई थी। उस समय किसान, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान हिंसा भड़क गई, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चार किसानों को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से कुचल दिया गया था। इसके बाद भड़की हिंसा में वाहन चालक, भाजपा के दो कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार की भी जान चली गई थी।

ट्रंप को ले जा रहे सैन्य हेलीकॉप्टर के पास आया यात्री विमान, हड़कंप

» बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर जा रहे सैन्य हेलीकॉप्टर मरीन वन के वाशिंगटन के हवाई क्षेत्र में एनवॉय एयर कंपनी के यात्री विमान (एम्ब्रेयर ई170) के करीब आ जाने से हड़कंप मच गया। इस घटना से हवाई यातायात नियंत्रण को लेकर नई चिंता उत्पन्न हो गई है। संघीय विमानन प्रशासन ने इसकी जांच शुरू कर दी है।द वॉल स्ट्रीट जनरल और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान ट्रंप को लेकर जा रहे मरीन वन और यात्री विमान के बीच दूरी एक मील से भी कम रही। संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारियों के

अनुसार, ऐसा तब हुआ जब रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट के टावर के साथ बातचीत साफ न होने के कारण हवाई यातायात नियंत्रकों को आसपास के विमानों को हटाने में देरी हुई। यह घटना दोपहर 2:30 बजे के आसपास हुई। ट्रंप ने लॉस एंजिल्स की अपनी तय यात्रा के पहले चरण में व्हाइट हाउस से जॉइंट बेस एंड्रयूज के लिए उड़ान भरी थी।

एटीसी डॉट कॉम पर पोस्ट की गई ऑडियो रिकॉर्डिंग के अनुसार, उड़ान भरने से पहले मरीन वन के क्रू ने नेशनल एयरपोर्ट टावर में कंट्रोलर्स को तीन बार चेतावनी देने की कोशिश की कि वे उड़ान भरने से तीन मिनट की दूरी पर हैं। समझा जा रहा है कि कंट्रोलर्स ने क्रू की चेतावनी नहीं सुनी और हेलीकॉप्टर आगे बढ़ गया। इससे वह एनवॉय एयर के यात्री विमान के हवाई मार्ग में आ गया। यह वाकया डरावना है क्योंकि पिछले साल 29 जनवरी को वाशिंगटन के हवाई क्षेत्र में एक सैन्य हेलीकॉप्टर और एक यात्री विमान के बीच दुखद टक्कर हो चुकी है।

प्रदेश में बनेंगे 18 अत्याधुनिक बस स्टेशन, 1,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना, 18 शहर शामिल

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश के परिवहन ढांचे को आधुनिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने पीपीपी मॉडल के तहत फेज-2 में प्रदेश के 18 आधुनिक प्रीमियम बस स्टेशनों एवं वाणिज्यिक परिसरों के विकास के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसके जरिए निवेशकों को परिवहन अवसंरचना के साथ-साथ रिटेल, होटल, फूड कोर्ट, ऑफिस स्पेस, मल्टीप्लेक्स और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में निवेश का अवसर मिलेगा।

यूपीएसआरटीसी के मुताबिक इन परियोजनाओं में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावनाएं हैं। प्रस्तावित बस स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होने के साथ शहरों के प्रमुख एवं व्यावसायिक स्थानों पर विकसित किए जाने की योजना है। इससे बस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ संबंधित शहरों में आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

90 वर्ष तक की कंसेशन अवधि का प्रावधान

योजना की प्रमुख विशेषताओं में 90 वर्ष तक की कंसेशन अवधि शामिल है। निवेशकों के लिए दीर्घकालिक एवं स्थिर व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परियोजनाओं में रिटेल, होटल, फूड कोर्ट, ऑफिस स्पेस और मल्टीप्लेक्स जैसी गतिविधियों के लिए वाणिज्यिक क्षेत्र (कॉमर्शियल स्पेस) विकसित किए जाएंगे। इससे बस स्टेशन केवल आवागमन के केंद्र न रहकर आधुनिक ट्रांजिट-कमर्शियल हब के रूप में विकसित हो सकेंगे।

10 अगस्त तक जमा होगी निविदा

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे तक निर्धारित की गई है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी यूपीएसआरटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जबकि टेंडर दस्तावेज उत्तर प्रदेश ई-टेंडर पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

इन 18 जगहों के लिए निविदाएं

अकबरपुर, अमेठी, बदायूं, भिनगा, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, गोला, सिधौली, माती, उन्नाव, हैदरगढ़, नहटौर, सराय अकिल, बादशाहपुर, तरवा, पीलीभीत और निचलौल।

बांग्लादेश शेख हसीना के भाषण के लाइव प्रसारण पर भारत से खफा

» बीपीएस न्यूज

ढाका (बांग्लादेश)। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत से नाराजगी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों को धक्का लगा है।बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि ढाका ने नई दिल्ली को पहले ही अपनी चिंता से अवगत करा दिया था। चेताया गया था कि इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिशों को कमजोर कर सकता है।मंत्रालय ने कहा, बांग्लादेश इस बात से नाराज है कि भगोड़ी और नरसंहार की दोषी शेख हसीना को बुधवार शाम नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति दी गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हसीना और उनके साथियों ने इस मंच का इस्तेमाल बांग्लादेश के खिलाफ किया।मंत्रालय ने अफसोस जताया कि बांग्लादेश की पूर्व की चिंताओं और इसके संभावित राजनयिक नतीजों के बावजूद इस कार्यक्रम को होने दिया गया।बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर हुई यह मीडिया बातचीत बांग्लादेश की संप्रभुता का अपमान है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का भी अपमान है।

बयान में हसीना पर जुलाई-अगस्त 2024 की हिंसा के बारे में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को नकारने का आरोप भी लगाया। बयान के अनुसार, बांग्लादेश के लोग जुलाई क्रांति के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध हैं।बयान में नई दिल्ली के साथ संबंधों पर ढाका का रुख दोहराते हुए मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ रचनात्मक, द्विपक्षीय फायदे और भविष्योन्मुखी संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ये संबंध संप्रभु समानता, आपसी सम्मान, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल न देने और राष्ट्रीय सम्मान पर आधारित होंगे। हालांकि, मंत्रालय ने कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोध का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

दांतों का पीलापन दूर करना है तो अपनाएं रामबाण उपाय

खूबसूरत मुस्कान न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, बल्कि व्यक्तित्व में भी चार चांद लगा देती है। लेकिन चाय, कॉफी, जंक फूड और गलत आदतों के कारण दांतों पर पीली परत जमने लगती है, जिसे हमारा कॉन्फिडेंस लो हो जाता है। यदि आप भी पीले दांतों से परेशान हैं और महंगे ट्रीटमेंट नहीं कराना चाहते हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपके किचन में रखा फल ही आपकी दांतों को चमका सकता है।

केले के छिलके से चमकेंगे दांत

जिस केले के छिलके को आप कूड़े में फेंक देते हैं, वह आपके दांतों को मोती सा चमका सकता है। केले के छिलके में पोटैशियम, मैंगनीज और मैग्नीशियम जैसे खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं, जो दांतों के इनेमल को साफ करने में मदद करते हैं।

केले के छिलके का कैसे करें इस्तेमाल?

केले के छिलके का एक टुकड़ा लें और उसके अंदरूनी हिस्से को अपने दांतों पर लगभग 2-3 मिनट तक हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर सामान्य टूथपेस्ट से ब्रश कर लें। हफ्ते में 3 बार ऐसा करने से आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

बेकिंग सोडा से चमकेगा दांत

बेकिंग सोडा ब्लीचिंग एजेंट के रूप में काम करता है। यह दांतों की सतह से जिद्दी दागों को हटाने में मदद करता है। आप थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा लें और उसमें कुछ बूंदे पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। आप इसे हफ्ते में एक बार ब्रश की मदद से अपनी दांतों को रगड़ें। आप इस बात का ध्यान रखें कि आपको बेकिंग सोडा का ज्यादा यूज नहीं करना है। इससे दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचता है।

ऑयल पुल्लिंग के नुस्खे से चमकेगा दांत

नारियल तेल से 'ऑयल पुलिंग' करना दांतों की सेहत के लिए सबसे पुराना और असरदार तरीका है। एक चम्मच शुद्ध नारियल का तेल मुंह में लें और उसे 5-10 मिनट तक अच्छी तरह कुल्ला करें और फिर थूक दें। यह मूंह के बैक्टिरिया को खत्म करता है और दांत सफेद होता है।

दांतों को चमकाने के लिए क्या खाएं?

दांतों की सफेदी बनाए रखने के लिए आहार में कुरकुरी सब्जियों जैसे गाजर, खीरा और सेब को शामिल करें। ये 'नेचुरल टूथब्रश' की तरह काम करते हैं और दांतों को साफ रखते हैं।

ज्यादा कैफिन से हो सकते हैं दांत पीले

अगर आप अधिक मात्रा में चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स या फिर तंबाकू का सेवन करते हैं तो इससे बचें। क्योंकि ये आपके दांतों पर जल्दी पीली परत को जमाते हैं।

बिना तंदूर के बनाएं ढाबा स्टाइल भरवां तंदूरी आलू , जाने रेसिपी

रोजाना घर का खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते हैं। फिर हमें बाहर खाना खाने से मन करता है। अक्सर ढाबे का खाना देखकर मुंह में पानी आ ही जाता है, क्योंकि मसालेदार जायके आप काफी मिस करते हैं। अगर आपको मसालेदार और भुने हुए तंदूरी आलू मिल जाए, फिर तो मजा ही आ जाए। तंदूरी आलू बनाने के लिए अब आपको तंदूर की कोई जरुरत नहीं है, घर में बड़े ही आसान तरीके से ढाबे जैसा भरवां तंदूरी आलू बना सकते हैं। सबसे पहले आप छोटे आलू को 80व तक उबाल लें। पूरी तरह से आलू को न पकाएं। ठंडा होने के बाद इन्हें अच्छे से छील लें और बीच से चम्मच की मदद से थोड़ा गूदा निकाल लें, जिससे स्टाफिंग अच्छे से फिल हो जाए।

इसके बाद एक कटोरी में कद्दूकस किया हुआ पनीर, निकाला हुआ आलू का गूदा, बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। फिर इस मिश्रण को आलुओं के अंदर अच्छे से भर दें। अब एक बड़े बाउल में दही, बेसन, अदरक-लहसुन का पेस्ट, सारे मसाले (लाल मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, गरम मसाला, चाट मसाला), कस्तूरी मेथी, गर्म सरसों का तेल और नमक डालकर अच्छे से फेंट लें। इसके बाद तैयार किए गए भरवां आलुओं को मसालेदार मैरिनेड में अच्छी तरह डुबोकर चारों ओर से कोट कर लें। फिर इन्हें लगभग आधे घंटे के लिए फ्रिज में रख दें, ताकि सभी मसालों का स्वाद आलुओं के अंदर तक अच्छी तरह समा जाए। अब भारी तले वाली कड़ाही में थोड़ा तेल या घी डालकर गर्म करें। गैस की आंच को धीमी रखें और इसमें मैरिनेट किए हुए आलुओं को सावधानी पूर्वक रखें।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का ऐसे करें इस्तेमाल, लौट आएगा चेहरे का खोया हुआ निखार

आज के समय में जब बाजार केमिकल वाले प्रोडक्ट्स से भरा है, लोग फिर से आयुर्वेद की तरफ लौट रहे हैं। मुल्तानी मिट्टी हमारी स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल और गंदगी साफ करने में बहुत असरदार होती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो से चार चम्मच गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बना लें।

इसे चेहरे और गर्दन पर दस से पंद्रह मिनट लगाकर रखें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे चेहरे का ऑयल कंट्रोल होता है और चेहरे का खोया हुआ निखार वापिर आ जाता है।

अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या धूप की वजह से जलन होती है, तो मुल्तानी मिट्टी में ताजा एलोवेरा जेल मिलाना सही रहता है।

दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में एक से दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बनाएं और दस मिनट तक चेहरे पर लगाने के बाद पानी से धो लें। यह पैक स्किन को ठंडक देता है, जलन कम करता है।

मुल्तानी मिट्टी में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर फेस पैक तैयार कर सकते हैं। इस मिक्स्चर को दस मिनट चेहरे पर लगाने के बाद नॉर्मल पानी से धो लें। हल्दी एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है और मुल्तानी मिट्टी गंदगी साफ करती है।

अगर चेहरे पर सूखापन या टैनिंग हो गई है, तो मुल्तानी मिट्टी में ताजा दही मिलाकर लगाना बहुत फायदेमंद होता है।

दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में एक से दो चम्मच ताजा दही मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पंद्रह से बीस मिनट लगाकर रखने के बाद हल्के हाथों से मसाज करते हुए पानी से धो लें। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड डेड स्किन को हटाकर स्किन को साफ बना देते हैं।

ड्राई और नॉर्मल स्किन वाले लोग मुल्तानी मिट्टी में शहद मिलाकर फेस पैक बना सकते हैं, जरूरत पड़ने पर इसमें थोड़ा गुलाब जल भी मिलाया जा सकता है। इस पैक को चेहरे पर दस से पंद्रह मिनट लगाकर रखने के बाद सामान्य पानी से धो लें। शहद स्किन में नमी बनाए रखता है जिससे सूखापन दूर होता है।

अब घर बैठे पहचानिए मिलावटी खाद्य पदार्थ फूड सेफ्टी वैन ने सिखाए आसान परीक्षण

मोतीझील में लाइव डेमो, दूध, मसाले, घी, चाय और मिठाइयों की जांच के बताए घरेलू तरीके

बीपीएस न्यूज

कानपुर। क्या दूध में डिटर्जेंट मिला है? क्या हल्दी और लाल मिर्च में कृत्रिम रंग है? क्या काली मिर्च में पपीते के बीज या चांदी के वर्क में एल्युमिनियम की मिलावट है? इन सवालों का जवाब अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा। शुक्रवार को मोतीझील में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल प्रयोगशाला ने लाइव प्रदर्शन के जरिए लोगों को ऐसे आसान परीक्षण सिखाए, जिनसे कई खाद्य पदार्थों में प्रारंभिक स्तर की मिलावट की पहचान घर पर भी की जा सकती है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मोबाइल प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया और विभिन्न परीक्षणों का प्रदर्शन देखा। इस दौरान सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र द्विवेदी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार, नरेंद्र शर्मा, बृजमोहन गुप्ता, उपासना शाह तथा मोबाइल प्रयोगशाला पर तैनात विश्लेषक मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मसाले, खाद्य तेल, शहद, चायपत्ती, आटा, गुड़, चीनी तथा अन्य खाद्य पदार्थों में होने वाली सामान्य मिलावट की पहचान के सरल परीक्षणों का प्रदर्शन किया। मौके पर दूध में डिटर्जेंट और स्टार्च, घी में स्टार्च, हल्दी व लाल मिर्च में कृत्रिम रंग, काली मिर्च में पपीते के बीज, चांदी के वर्क में एल्युमिनियम सहित कई प्रकार की मिलावट की पहचान करके दिखाई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ये परीक्षण केवल प्रारंभिक पहचान के लिए हैं। किसी भी संदिग्ध नमूने की अंतिम पुष्टि विभागीय प्रयोगशाला में वैज्ञानिक जांच के बाद ही की जाती है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मिलावट के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूक उपभोक्ता है। उन्होंने कहा कि फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स के माध्यम से लोगों को ऐसे सरल परीक्षण बताए जा रहे हैं, जिनसे वे खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक जांच स्वयं कर सकते हैं। जागरूकता ही मिलावट के खिलाफ सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने लोगों से स्वच्छ एवं विश्वसनीय प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री खरीदने, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर ध्यान देने तथा कहीं भी गंभीर मिलावट की जानकारी मिलने पर तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित करने की अपील की।

ऐसे करें मिलावटी खाद्य पदार्थों की पहचान

चांदी के वर्क में एल्युमिनियम

वर्क को उंगलियों से मसलने पर शुद्ध चांदी का वर्क चूर्ण जैसा बिखर जाता है, जबकि एल्युमिनियम छोटे-छोटे टुकड़ों में टूटता है। आग में जलाने पर भी दोनों में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

दूध और दुग्ध उत्पाद

दूध, पनीर, खोया और छेना में स्टार्च

आयोडीन (टिंचर ऑफ आयोडीन) की 2-3 बूंद डालें। नीला रंग बनने पर स्टार्च की मिलावट की आशंका होती है।

दूध में डिटर्जेंट

दूध में बराबर मात्रा में पानी मिलाकर अच्छी तरह हिलाएं। गाढ़ा झाग बनने पर डिटर्जेंट की मिलावट हो सकती है, जबकि शुद्ध दूध में केवल हल्की झाग बनती है।

? घी और मक्खन में स्टार्च

आधा चम्मच घी या मक्खन में आयोडीन की कुछ बूंद डालें। नीला रंग बनने पर स्टार्चयुक्त पदार्थ की मिलावट की आशंका होती है।

मसाले और खाद्य सामग्री

काली मिर्च में पपीते के बीज

पानी में डालने पर शुद्ध काली मिर्च नीचे बैठ जाती है, जबकि पपीते के बीज ऊपर तैरते हैं। देखने पर पपीते के बीज चिकने और अंडाकार होते हैं।

लाल मिर्च में कृत्रिम रंग

पानी में लाल मिर्च पाउडर डालते ही यदि रंग की धारियां उतरने लगें तो कृत्रिम रंग की मिलावट हो सकती है।

हल्दी में कृत्रिम रंग

एक गिलास पानी में एक चम्मच हल्दी डालें। शुद्ध हल्दी नीचे बैठते समय हल्का पीला रंग छोड़ती है, जबकि मिलावटी हल्दी पानी को गहरा पीला रंग देती है।

दालचीनी में कैसिया

असली दालचीनी की परतें बेहद पतली होती हैं। कैसिया की छाल मोटी और कई परतों वाली दिखाई देती है।

हींग में राल की मिलावट

थोड़ी हींग जलाने पर शुद्ध हींग कपूर की तरह जलती है। पानी में घोलने पर शुद्ध हींग का घोल दूधिया सफेद बनता है और उसमें तलछट नहीं रहती।

तेल, शहद और मिठाइयां

शहद में चीनी की चाशनी

पानी में शहद की एक बूंद डालें। शुद्ध शहद तुरंत नहीं घुलता, जबकि मिलावटी शहद पानी में फैलने लगता है। शहद में भीगी सूती बत्ती आसानी से जल जाती है, जबकि पानी मिला होने पर वह नहीं जलती या चटकने की आवाज करती है।

तेल में रासायनिक मिलावट

कुछ प्रकार की रासायनिक मिलावट की पहचान विशेष अभिकर्मकों से की जाती है, जिसका प्रदर्शन मोबाइल प्रयोगशाला में किया गया।

लौंग-अच्छी गुणवत्ता वाली लौंग पानी में नीचे बैठ जाती है, जबकि इस्तेमाल की जा चुकी लौंग ऊपर तैरने लगती है।

सरसों-सरसों के बीज चिकने होते हैं और दबाने पर अंदर से पीले दिखाई देते हैं। सत्यानाशी (आरगेमोन) के बीज खुरदरे, काले और अंदर से सफेद होते हैं।

चायपत्ती-फिल्टर पेपर या सफेद कागज पर पानी की कुछ बूंदें डालने से यदि रंग की धारियां बनें तो कृत्रिम रंग की मिलावट की आशंका हो सकती है।

हरी मटर-हरी मटर को आधे घंटे पानी में भिगोकर रखें। यदि पानी का रंग अलग होने लगे तो कृत्रिम रंग की मिलावट हो सकती है।

उ प्र में जियोटैग ऐप द्वारा वाहन टैगिंग व्यवस्था को लेकर व्यापारियों ने सौंपा सतीश महाना को ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र के नेतृत्व में उ प्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद द्वारा कृषि उत्पाद के व्यापार व उद्योग में जियोटैग ऐप द्वारा वाहन टैगिंग व्यवस्था, प्रयोग के तौर पर लागू होने के दौरान व्यापारियों उद्यमियों को जारी नोटिसों, गेट पास की समय-सीमा संबंधी नियमों, प्रोपराइटरशिप फर्मों को पार्टनरशिप में परिवर्तित करने के जटिल प्रावधानों को वापस लेने सहित मंडी व्यवस्था से संबंधित अन्य समस्याओं के निराकरण को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से उनके लाल बंगला स्थित आवास पर मुलाकात कर के वार्ता की व 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कृषि विपणन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार से इस मामले में पुनः वार्ता करने का आश्वासन दिया।

सीएसए में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में ÷विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान÷ के अंतर्गत नशा मुक्ति एवं जन-जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. विनिता सिंह द्वारा कराया गया, जिसमें डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह ने समन्वय किया।

छात्राओं ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे की लत से होने वाले स्वास्थ्य, शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रस्तुत किया तथा युवाओं को नशा छोड़कर सही मार्ग अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं नशा-मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया

।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान डॉ. सीमा सोनकर ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें नशा मुक्ति के संदेश को अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. मुक्ता गर्ग ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

1984 के चर्चित अपहरण कांड का सजायाफ्ता 40 साल बाद गिरफ्तार

कानपुर।जूही में 1984 के चर्चित माले में सजायाफ्ता वारंटी को जूही पुलिस ने 40 साल बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी तीन नाबालिग लड़कियों को बहलाकर ले जाने में सजायाफ्ता है। हाईकोर्ट में अपील के बाद राहत न मिलने पर उसने अदालत में पेश होना बंद कर दिया था। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद जूही पुलिस ने उसे तलाश कर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। थाना प्रभारी केके पटेल ने बताया कि आरोपी की पहचान मूलरूप से लखनऊ निवासी प्रदीप कुमार है। जो 1984 में जूही के साईंपुरवा कच्ची मड़ैया में रहता था। गिरफ्तारी के समय वह किदवईनगर में अंबेडकरनगर कॉलोनी कच्ची बस्ती में रह रहा था। पुलिस के अनुसार 1984 में जूही से तीन नाबालिग लड़कियों को बहलाकर ले जाने के आरोप में उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 363 व 366 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना के बाद कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल हुआ। सुनवाई के बाद निचली अदालत ने दोषी मानते हुए उसे सजा सुनाई। इसके बाद आरोपी ने 1987 में हाईकोर्ट में अपील की। अपील पर राहत न मिलने के बाद उसने अदालत में पेश होना बंद कर दिया और ठिकाना बदलकर रहने लगा। तभी उसके खिलाफ वारंट जारी हुआ, लेकिन वह करीब चार दशक पुलिस को चकमा देता रहा। हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस कमिश्नर से जवाब तलब किया। सात अगस्त को मामले में पुलिस कमिश्नर को जवाब दाखिल करना था। इस कारण दक्षिण जोन पुलिस उसकी तलाश में प्राथमिकता के आधार पर जुटी। दो माह से तलाश में जुटी पुलिस को कामयाबी मिली और 40 साल से फरार आरोपी पकड़ लिया।

शिक्षक के घर हुई डकैती का 48 घंटे में खुलासा करने वाली पुलिस टीम को किया गया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना चकेरी क्षेत्र के श्यामनगर में शिक्षक के घर में हुई डकैती की घटना का अनावरण करते हुए गठित पुलिस टीमों ने मात्र 48 घंटे के भीतर घटना में शामिल 25-25 हजार के सभी 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लूटा गया माल भी बरामद कर लिया।

इस सफलता पर पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी शिवा सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी आशुतोष कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक चकेरी अजय प्रकाश मिश्र व प्रभारी निरीक्षक रेलबाजार अमान सिंह सहित घटना केअनावरण में शामिल समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते

हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गयी।

किन्नर के घर लाखों की लूट, असलहे के दम पर 10 लाख कैश, सोना और बाइक लूटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर कोतवाली गंगाघाट की जाजमऊ चौकी अंतर्गत डकारी गांव के शास्त्री नगर (सावित्री नगर) मोहल्ले में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात बेखौफ बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया।

असलहों से लैस तीन से चार बदमाशों ने एक किन्नर के घर में धावा बोलकर लाखों की नगदी, सोने के जेवर और बाइक लूट ली। वारदात के दौरान विरोध करने पर बदमाशों ने किन्नर और उसके ड्राइवर को बेरहमी से पीटा और रस्सी से बांध दिया। सूचना पर पहुंचे एसपी और सीओ ने घटनास्थल का मुआयना कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए हैं।

पीड़ित किन्नर वैशाली ने बताया कि वह अपने ड्राइवर मोहम्मद आसिफ के साथ पिछले आठ वर्षों से इस घर में रह रही हैं। देर रात करीब दो बजे तीन से चार बदमाश घर की पीछे की दीवार में सीढ़ी लगाकर अंदर दाखिल हो गए। बदमाशों ने आते ही तमंचे के बल पर दोनों को बंधक बना लिया और रस्सी से हाथ-पांव बांधकर जमकर मारपीट की, जिससे दोनों घायल हो गए।

बदमाशों ने घर की अलमारी खंगालकर उसमें रखे करीब 10 लाख रुपये नगद, 100 ग्राम सोने के आभूषण और घर के बाहर खड़ी अपाचे बाइक लूट ली। शातिर बदमाश इतने चालाक थे कि पुलिस के हाथ सीसीटीवी फुटेज न लगे, इसके लिए वे घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का छ्ङ्क्रभी अपने साथ उखाड़ ले गए।

बदमाशों के भागने के बाद पीड़ितों ने किसी तरह अपनी रस्सियां खोलीं और यूपी 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरबी, स्थानीय चौकी पुलिस और गंगाघाट कोतवाल मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी जयप्रकाश सिंह और सीओ सिटी विनी सिंह ने भी भोर में ही घटनास्थल का जायजा लिया।

गड्ढ़ों में समाया न्यू आजाद नगर-सतबरी मुख्य मार्ग

» रोजाना हजारो वाहन सवारो की जान को बना रहता है खतरा

» पूरे मार्ग पर छोटे-बड़े सैकड़ों गडढे, तीन गडढे 10 मीटर तक चौड़े

» गडढों में भरे पानी में डूब जाते है वाहनो के पहिए

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में विकास कही दिखाई नही दे रहा है। विभागी बाते केवल हवा-हवाई ही है। नगर की सडकों की हालत स्वयं अपनी दुर्दशा बयांन कर रही है। समाचार पत्रों में लगातार सडकों की दुर्दशा की खबरो के बाद भी विभागीय अधिकारी सोये पडे है और शहरवासी सडकों पर जूझते रहते है। शहर का कोई भी हिस्सा हो जल भराव और खराब सडकों से भरा हुआ है। नालिया लगभग गायब हो चुकी है। नालों की सफाई की ही नही गयी।फील्ड वर्कर केवल अधिकारियों को रिपोर्ट सौंप देते है और जमीनी हकीकत न सम्बन्धित अधिकारी और न ही शहर की मेयर देखती है। यूं तो चौतरफा शहर में सडकों की हालत खराब है, लेकिन कुछ स्थानों पर तो पैदल भी चलना दूभर हो चुका है। ऐसी ही हालत न्यूआजाद नगर- सतबरी मार्ग का है।बतादें कि बीते पांच वर्षो से सतबरी, न्यूआजाद नगर क्षेत्र की कई गलियों का निर्माण नही कराया गया है, इसी प्रकार सडकों के बनवाने का भी काम नही किया गया है। आलम यह है कि अब यहां बडे-बडे गड्ढे हो चुके है। कई बार स्थानीय लोगो ने इस सम्बन्ध में पत्र लिखा, क्षेत्रीय पार्षद से भी कहा लेकिन नतीजा कुछ नही निकला। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारो वाहन निकलते है। सडकों के कीचड और पानी भरे गडढे वाहन चालकों तथा राहगीरों के लिए जानलेवा साबित होते जा रहे है। पांच सालों से सरकारी विभाग द्वारा कोई कार्य न कराये जाने को लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है।सडकों पर झाडू नही लगती। नालिया अतिक्रमण के कारण बंद है, सडकों पर पानी भरा रहता है। नालों की सफाई की नही गयी

और खामयाजा आम जनता भुगत रही है। अधिकारियों के पास केवल एक रटा-रटाया जवाब होता है कि जल्द या वर्षा रूकने के बाद गडढों को ठीक कराया जायेगा, नालिया साफ कराई जायेगी, इसका मतलब कि बरसात के पहले ऐसा कोई कार्य नही किया गया जो जनता के हित में हो या फिर सिर्फ कागजी खानापूर्ति ही की जाती है।

घर मे घुसे लुटेरों ने किया पति पत्नी पर कुल्हाड़ी से वार, पति की हुई मौत

पत्नी हुई लहूलुहान अस्पताल में भर्ती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शुक्रवार की देर रात थाना साढ़ क्षेत्र में एक घर में दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पति-पत्नी के साथ मारपीट किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। घटना में पति को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए।

सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा घटनास्थल पर पहुँच कर घटना की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में मृतक के पूर्व में सऊदी अरब में रहने तथा कुछ माह पूर्व ही वापस लौटने की जानकारी सामने आई है। मृतक अपने परिवार से अलग खेत में बने मकान में रह रहा था।

घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच के आधार पर पुलिस की 7 टीमें गठित की गई हैं, जो डीसीपी दक्षिण के नेतृत्व में आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयासरत हैं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), डॉ. विपिन ताडा ने कहा घटना का शीघ्र अनावरण करते हुए आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) द्वारा साइबर अपराध रोकने व लोगों को जागरूक करने के लिए समीक्षा गोष्ठी का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा सेंट्रल जोन कार्यालय स्वरूप नगर में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित निस्तारण एवं जन-जागरूकता के संबंध में समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में सेंट्रल जोन साइबर सेल प्रभारी सहित समस्त थानों के साइबर प्रभारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गोष्ठी में ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग/फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी कॉल एवं ह्ग्रक्क फ्रॉड सहित साइबर अपराधों पर प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई,

प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए।

साइबर अपराध की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित बैंक एवं एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर संदिग्ध खातों एवं लेन-देन को शीघ्र फ्रीज कराने, प्रत्येक थाने पर साइबर शिकायतों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग तथा डिजिटल साक्ष्यों के समयबद्ध संकलन के निर्देश दिए गए।साथ ही सोशल मीडिया, जन-चौपाल, थाना स्तर पर जागरूकता अभियान एवं पम्पलेट/पोस्टर के माध्यम से आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। नागरिकों से अपील की गई कि किसी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, त्तक्र कोड अथवा मोबाइल एप पर विश्वास न करें तथा ह्ग्रक्क बैंक विवरण एवं क्च्ठ्ठ क्च्ठ्ठह किसी के साथ साझा न करें। साइबर प्रभारियों को नियमित प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता में वृद्धि एवं विधिक प्रक्रिया का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ेंगी महिलाएं, आर्थिक उन्नति के खुलेंगे रास्ते

» समूहों को बैंक से 10 लाख रुपये तक कैश क्रेडिट लिमिट की सुविधा

» हर राशन कार्डधारक परिवार की एक महिला को जोड़ने का महाअभियान 20 अगस्त तक

विकास खंडवार लक्ष्य इस प्रकार है

बिल्हौर	31,030
सरसौल	28,746
भीतरगांव	27,347
कल्याणपुर	28,588
घाटमपुर	29,689
बिधनू	25,025
शिवराजपुर	20,240
पतारा	20,088
ककवन	8,494
चौबेपुर	21,253

कुल लक्ष्य – 2,40,500 महिलाएं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कानपुर नगर के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी राशन कार्डधारक परिवारों की एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर उनकी आर्थिक उन्नति का रास्ता तैयार किया जा रहा है। समूह से जुड़ने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत चरणबद्ध आर्थिक सहायता के साथ बैंक से 10 लाख रुपये तक कैश क्रेडिट लिमिट की सुविधा भी मिल सकती है। शासन के निर्देश पर इसके लिए जनपद में 5 से 20 अगस्त तक परिवार संतृप्तीकरण महाअभियान चलाया जा रहा है।

परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह ने बताया कि शासन से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के सभी राशन कार्डधारक परिवारों से एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

अभियान के तहत जनपद के सभी विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में पात्र महिलाओं को समूहों से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन के लाभार्थी परिवारों सहित अन्य पात्र परिवारों को भी समूहों से जोड़ने पर जोर है।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में समूह सखी, बैंक सखी और ग्राम पंचायत सचिव कैंप लगाकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। खंड विकास अधिकारियों के माध्यम से ग्राम पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों को भी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं। प्रयास है कि अभियान की अवधि में अधिक से अधिक पात्र परिवारों की महिला सदस्य स्वयं सहायता समूह से जुड़कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

परियोजना निदेशक ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों को निर्धारित प्रक्रिया एवं पात्रता के अनुसार चरणबद्ध आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। समूह का खाता खुलने पर 2,500 रुपये स्टार्टिंग फंड, तीन माह बाद 30 हजार रुपये रिवॉल्विंग फंड तथा छह माह बाद 1.50 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध हो सकती है। इसके अतिरिक्त बैंक के माध्यम से 1.50 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) की सुविधा भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने पर महिलाओं में नियमित बचत की आदत विकसित होने के साथ आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है। आवश्यकता के समय छोटे ऋण की उपलब्धता, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर परिवार की आय बढ़ाने में सहायक होते हैं। अभियान के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे

बढ़ाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। अभियान की प्रगति की विकास खंड स्तर पर निगरानी की जा रही है। पात्र परिवार स्वयं सहायता समूह से जुड़ने एवं योजना की जानकारी के लिए ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक, समूह सखी, बैंक सखी, ग्राम संगठन अथवा सीएलएफ प्रतिनिधि से संपर्क कर सकते हैं।

2.40 लाख महिलाओं को समूहों से जोड़ने का लक्ष्य

परिवार संतृप्तीकरण महाअभियान के तहत कानपुर नगर के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 2,40,500 महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर योजना का लाभ दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मोबाइल लूट की दो घटनाओं को अंजाम देने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्रनाथ चौधरी ने बताया कि थाना किदवईनगर क्षेत्र में विगत दिनों हुई मोबाइल स्नैचिंग की दो घटनाओं के संबंध में अलग-अलग अभियोग पंजीकृत किए गए थे। किदवईनगर पुलिस एवं टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से लगातार प्रयास करते हुए दोनों घटनाओं का सफल अनावरण किया गया है।पुलिस द्वारा कुल 4 आरोपियों को पकड़ा गया है, जिनमें 3 नाबालिग एवं 1 बालिग, निवासी हनुमंत विहार थाना क्षेत्र, शामिल है। आरोपियों के कब्जे से घटनाओं में प्रयुक्त बाइक, लूटे गए मोबाइल फोन तथा लगभग 3,000 नकद बरामद किए गए हैं।पकड़े गए सभी आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए बालिग आरोपी को न्यायालय तथा नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बेटियों को जरूर लगवाएं एचपीवी टीका: डीएम

कानपुर की 41,073 किशोरियां अभी एचपीवी टीके के सुरक्षा चक्र से बाहर, सर्वाइकल कैंसर का खतरा बरकरार

डीएम ने रावतपुर स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण, अब तक 18,377 किशोरियों का नि:शुल्क एचपीवी टीकाकरण

14-15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को लगता है एचपीवी टीका, मिलती है सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन नि:शुल्क लगाई जा रही है। रविवार को रावतपुर स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अभिभावकों से अपनी पात्र बेटियों का टीकाकरण कराने की अपील की। जनपद में अब तक 18,377 किशोरियों को एचपीवी टीका लगाया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने कहा कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस का संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। एचपीवी वैक्सीन भविष्य में इस कैंसर के जोखिम को कम करने का सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण के साथ ही निर्धारित आयु में समय पर स्क्रीनिंग भी महत्वपूर्ण है। निजी अस्पतालों में महंगी मिलने वाली यह वैक्सीन शासन की ओर से पात्र किशोरियों को पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भ्रम, संकोच अथवा अफवाह में न आएं और अपनी बेटियों को टीकाकरण केंद्र लेकर जाएं। बेटियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा परिवार के साथ ही पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एचपीवी टीकाकरण के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी पात्र किशोरी टीकाकरण से वंचित न रहे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, टीकाकरण की व्यवस्था और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि कामकाज के कारण सामान्य दिनों में स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंच पाने वाले लोग रविवार को नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर अथवा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श और उपलब्ध टीकाकरण सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि रविवार को आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्रों में एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। रविवार को भी विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

पात्र किशोरियों की पहचान के लिए आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने ड्यू लिस्ट तैयार की है। इसके आधार पर घर-घर संपर्क कर अभिभावकों को टीकाकरण की जानकारी दी जा रही है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसपी यादव ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। अभिभावक किसी भ्रम अथवा अफवाह पर ध्यान न दें और अपनी पात्र बेटियों का समय पर नि:शुल्क टीकाकरण अवश्य कराएं।

कानपुर की 41,073 किशोरियों पर सर्वाइकल कैंसर का खतरा बरकरार

जनपद में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 59,450 किशोरियों को एचपीवी टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें अब तक 18,377 किशोरियों का टीकाकरण हो पाया है। इस प्रकार 41,073 किशोरियां अभी एचपीवी टीके से मिलने वाले सुरक्षा चक्र से बाहर हैं और उनमें सर्वाइकल कैंसर का खतरा बरकरार है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को अभियान तेज करते हुए प्रत्येक पात्र किशोरी तक पहुंचने और अभिभावकों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में शामिल है। समय पर एचपीवी टीकाकरण और निर्धारित आयु में नियमित स्क्रीनिंग से इसके खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एचपीवी टीकाकरण एक नजर में

- » कुल लक्ष्य–59,450 किशोरियां
- »अब तक टीकाकरण– 18,377 किशोरियां
- » टीकाकरण के लिए शेष– 41,073 किशोरियां
- » पात्र आयु वर्ग–14 से 15 वर्ष
- » शुल्क–पूरी तरह नि:शुल्क
- » नियमित टीकाकरण–बुधवार और शनिवार
- » विशेष शिविर–प्रत्येक रविवार
- » संपर्क आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अथवा निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र

इंदिरा गांधी की प्रतिमा छिपाने वाला निर्माण कांग्रेस ने रुकवाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरोना चौराहा स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा के सामने कानपुर मेट्रो द्वारा कराए जा रहे निर्माण का कांग्रेसजनों ने जोरदार विरोध कर काम रुकवा दिया। निर्माण के चलते प्रतिमा के सामने दीवार खड़ी होने से इंदिरा गांधी की प्रतिमा छिप रही है।

पवन गुप्ता ने कहा कि ÷जिस मामले में कांग्रेस पहले ही अपना विरोध दर्ज करा चुकी है,

उसमें बिना सहमति के दोबारा निर्माण शुरू करना कानपुर मेट्रो की मनमानी और कांग्रेस के साथ धोखा है। ऐसा कोई काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिससे इंदिरा गांधी का सम्मान कम हो। इंदिरा जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।÷

कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि प्रतिमा की गरिमा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान,जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता, हर प्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष श्याम देव सिंह, अनिल बाजपेई, विश्वनाथ जायसवाल, रामजी दुबे, आशुतोष शुक्ला, सुधीर साहू, कपिल जायसवाल, राकेश साहू, अनूप श्रीवास्तव, शांतनु दीक्षित, विनोद अवस्थी, रवींद्र बाजपेई आदि थे।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।